PPMN

सहयोग आपका प्रयास हमारा

# परिष्कार पत्रिका

प्रगति की ओर

जयपुर सहित, किशनगढ़, अजमेर, नसीराबाद, ब्यावर, जोधपुर, बानसूर, अलवर, कोटपूतली, बहरोड़, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, कानोता, बस्सी, नीम का थाना, रींगस, सीकर, कोटा, शिवदासपुरा, भीलवाड़ा, अहमदाबाद, बीकानेर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश में प्रसारित

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

जरूरी सूचना
यदि आपके पास परिष्कार पत्रिका डाक से आता है और हर माह की 10 व 25 तारीख को पाबंदी से नहीं आ रहा है, तो अपने पोस्टमास्टर या डाकिए से हमारी बात कराएं या सूचित करें। इसका निश्चित रूप से समाधान निकलेगा।
सम्पर्क करें
9314407796

पोस्टल रजि. Jaipur City/ 240/ 2021-23 पाक्षिक (हिन्दी राष्ट्रीय) मूल्य 2 रूपए

विशेषांक

E-Mail : parishkarpatrika@gmail.com

वर्ष - 21 अंक 12 जयपुर : 23 जनवरी 2023 से 7 फरवरी 2023 RNI No : RJHIN/2002/9810 वार्षिक सदस्यता 251 रूपए

## शिक्षा से ही व्यक्ति का सर्वांगीण विकास संभव : बारूपाल

परिष्कार पत्रिका परबतसर/नावां। राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय, भड़सिया, परबतसर, नागौर के वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि उदयचन्द बारूपाल पूर्व जिला न्यायाधीश एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयकौशल फाण्उडेशन ट्रस्ट ने बताया कि व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा अति महत्वपूर्ण है। समरोह की अध्यक्षता करते हुए डी.आर. जोधावर पूर्व आई.ए.एस. ने बालिकाओं के लिए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। पाठशाला परिवार की ओर से मुख्य अतिथि उदय चन्द बारूपाल को स्मृति चिन्ह प्रदान कर भामाशाह सम्मान नवाजा गया। अनुराग पारासर प्रधानाध्यापक ने स्वागत भाषण में विद्यालय की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय की सभी छात्राओं को गर्म स्वेटर और स्कूल बैग उदयकौशल फाण्उडेशन ट्रस्ट की ओर से वितरित किये गये। समारोह में बालिकाओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। मंजूलता बारूपाल ने विद्यालय में किये जा रहे विकास कार्यों एवं अन्य गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में हनुमान सहाय सी.बी.ओ. परबतसर एवं विद्यालय परिवार के हेमलता मीणा, मुकेश कुमार और सीता मीणा भी उपस्थित रहे। समरोह में उपस्थित जगदीश राय सी.बी.ओ. कुचामन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

## स्वास्थ्य शाखा ने 31 किलो प्लास्टिक की थेलिया जब्त की

**85 हजार 600 रू कैरिगं चार्ज वसूला**

परिष्कार पत्रिका जयपुर। नगर निगम जयपुर हैरिटेज की स्वास्थ शाखा उपायुक्त स्वास्थ्य श्री आशीष कुमार के निर्देशन में निरंतर रूप से बाजारों का औचक निरीक्षण कर रही है व सिंगल यूज प्लास्टिक रखने पर थेलियों के पैकेट दुकानदारों से जब्त कर रही है साथ ही भारी मात्रा में कैरिगं चार्ज भी वसूला जा रहा है। आशीष कुमार ने बताया कि हैरिटेज निगम का सिगंल यूज प्लास्टिक जब्ती अभियान के तहत सोमवार को 31 किलो प्लास्टिक की थेलियां जब्त की गई व 85 हजार 600 रू कैरिंग चार्ज वसूला गया।

### राज्यस्तरीय कर परामर्शदात्री समिति से बजट पूर्व संवाद

## राज्य की आर्थिक प्रगति में उद्यमी, व्यापारी एवं करदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री



परिष्कार पत्रिका जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य की आर्थिक प्रगति में उद्यमियों, व्यापारियों एवं करदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी परामर्शदात्री समिति के सुझावों का बजट में समावेश करने के प्रयास किए जाएंगे। गहलोत राज्य बजट 2023-24 की तैयारियों को लेकर सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में राज्य स्तरीय कर परामर्शदात्री समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उद्यमियों, व्यापारियों एवं करदाताओं द्वारा दिए गए सुझावों में सकारात्मकता और अनुभव झलकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल के दौरान राज्य सरकार द्वारा उद्योगों और व्यापारियों को हरसंभव राहत प्रदान की गई। राज्य सरकार ने पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने का ऐतिहासिक फैसला लिया। वहीं, रिप्स जैसी महत्वपूर्ण नीति से राज्य के उद्योगों को प्रोत्साहन तथा संबल मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राजस्थान जीडीपी ग्रोथ में देश में दूसरे नंबर पर है। आपके सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। इन्वेस्ट राजस्थान समिट में रिकॉर्ड निवेश के एमओयू हुए, जो अपने आप में ऐतिहासिक हैं। उन्होंने कहा कि आज रीको द्वारा राज्य के हर उपखण्ड स्तर पर औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए जा रहे हैं। डैडम् एक्ट का देशभर में स्वागत हुआ है। साथ ही, राज्य सरकार ने नए उद्योग स्थापित करने के लिए एकल खिड़की की सुविधा भी उपलब्ध करवाई है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए गए नवाचारों से आज निवेशक कंफर्टेबल महसूस कर रहा है। एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा 2 करोड़ रूपए तक की सब्सिडी दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान राज्य में शानदार प्रबंधन किया गया। यहां के भीलवाड़ा मॉडल की देशभर में सराहना हुई। राज्य सरकार द्वारा कोई भूखा ना सोए के संकल्प के साथ राज्य में सभी जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन का प्रबंध किया गया। कोविड महामारी में महंगे इंजेक्शन व दवाइयां आमजन को निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई। ऑक्सीजन की कमी से राज्य में कोई जनहानि नहीं हुई। कोरोना काल के दौरान आए मंदी के दौर के बावजूद प्रदेश की आर्थिक स्थिति स्थिर है, यह शुभ संकेत है। गहलोत ने कहा कि प्रदेशवासियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य सरकार द्वारा लगभग 1 करोड़ लोगों को पेंशन उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह तत्कालीन केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में शिक्षा, स्वास्थ्य, सूचना एवं खाद्य का अधिकार लागू कर सभी को सामाजिक व आर्थिक संबल प्रदान किया गया है, उसी तरह देश में एक समान सामाजिक सुरक्षा देने के लिए केन्द्र सरकार को प्राइट टू सोशल सिक्योरिटी एक्ट लागू करना चाहिए। इसके लिए चिंतन शिविर में मंत्रिपरिषद् सदस्यों ने एकमत प्रस्ताव रखा था, जिसके तहत राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार को पत्र लिखा जाएगा।

बैठक में बताया गया कि राजस्थान में संस्थागत प्रसव राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। साथ ही, टीकाकरण कवरेज की दृष्टि से भी राजस्थान भारत के औसत से 4 प्रतिशत आगे है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में करीब 1.38 करोड़ परिवारों का पंजीकरण हो चुका है। इस योजना का ही परिणाम है कि प्रदेश की करीब 90 प्रतिशत आबादी अब स्वास्थ्य बीमाधारक हैए जबकि राष्ट्रीय औसत मात्र 41 प्रतिशत ही है। चिरंजीवी योजना में अब तक 31.58 लाख मरीजों को लगभग 3625 करोड़ रूपए का निःशुल्क उपचार उपलब्ध हुआ है। मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के तहत राजकीय चिकित्सा संस्थानों में जांच एवं दवाओं के साथ संपूर्ण उपचार निःशुल्क मिल रहा है। योजना पर अनुमानित व्यय करीब 1500 करोड़ रूपए किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं से हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। इंदिरा रसोइयों में आमजन को 8 रूपए में पौष्टिक भोजन परोसा जा रहा है। राज्य सरकार प्रत्येक थाली पर 17 रूपए अनुदान दे रही है। राज्य में 211 नए कॉलेज खोले गए हैं, जिनमें 94 गर्ल्स कॉलेज भी शामिल हैं। विद्यालय में 500 बालिकाओं के नामांकन पर कॉलेज खोलने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है। बैठक में प्रतिनिधियों ने रीप्स, एमनेस्टी स्कीम, टूरिज्म नीति आदि महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुन्तला रावत, ऊर्जा राज्यमंत्री भंवर सिंह भाटी, मुख्यमंत्री के सलाहकार निरंजन आर्य, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग एवं वाणिज्य वीनू गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव गृह आनंद कुमार, प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा भास्कर ए सावंत, प्रमुख शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग वैभव गालरिया, रीको के स्वतंत्र निदेशक सीताराम अग्रवाल सहित सीआईआई, फिक्की, एसोचैम, पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स, राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स, फोर्टी सहित पर्यटन, खाद्य पदार्थ व्यापार, एग्रीकल्चर इंडस्ट्री, ऑयल इंडस्ट्री, हैण्डी क्राफ्ट, कपड़ा उद्योग, सीमेंट मैन्यूफैक्चरर्स, मार्बल एवं स्टील उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## छात्रसंघ का गठन है राजनीति का पहला पायदान

परिष्कार पत्रिका जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री टीकाराम जूली ने विधार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने लक्ष्य प्राप्ति हेतु अध्ययनशील होना आवश्यक है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री जूली ने अलवर में राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय के शपथ ग्रहण समारोह एवं छात्र संघ कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वाणिज्य महाविद्यालय में छात्रसंघ का गठन राजनीति में पहली सीढ़ी है। उन्होंने कहा कि छात्र संघ पदाधिकारियों को अपने सीमित एक वर्ष में छात्र हितों के लिए निर्णयों को इस प्रकार अमलीजामा पहनाना चाहिए कि यह नजीर बनें। इसलिए संघ के पदाधिकारी आपसी सांमजस्य के साथ पूर्ण निष्ठा के साथ इस दायित्व का निर्वहन करें। उन्होंने छात्रसंघ अध्यक्ष कजई हुसैन व उनकी कार्यकारिणी को बधाई एवं शुभकामना दी तथा छात्रसंघ अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ स्मिता मिश्रा ने महाविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

## अनुसूचित जनजाति छात्रावासों में खाद्य सामग्री के लिए 9 करोड़ रूपए का अतिरिक्त प्रावधान

परिष्कार पत्रिका जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजकीय अनुसूचित जनजाति छात्रावासों में खाद्य सामग्री हेतु 9 करोड़ रुपए के अतिरिक्त बजट प्रावधान के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। गहलोत द्वारा स्वीकृति से छात्रावासों के लिए पर्याप्त खाद्य सामग्री उपलब्ध होने के साथ ही इनका सुगम संचालन हो सकेगा। गौरतलब है कि पूर्व में 10 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया था, जो कि उपयोग में लिया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा अनुसूचित जनजाति योजना के अंतर्गत 175 छात्रावासों का संचालन किया जा रहा है। इनमें प्रवेश क्षमता 8770 है तथा इस शैक्षणिक सत्र में 7944 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया हैं।

### जयपुर विकास प्राधिकरण

## नगरीय विकास मंत्री ने किया आईपीडी टावर का दौरा, समय सीमा में प्रोजेक्ट पूरा करने दिए निर्देश



परिष्कार पत्रिका जयपुर। माननीय नगरीय विकास स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री शांति धारीवाल ने अतिरिक्त मुख्य सचिव-पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास तथा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग अभय कुमार जयपुर विकास आयुक्त रवि जैन और जेडीए अधिकारियों के साथ आईपीडी टॉवर का दौरा किया और परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। माननीय मंत्री महोदय ने प्रोजेक्ट की वर्तमान प्रगति को देखकर संतुष्टि जाहिर की तथा सम्बंधित फर्म व अभियांत्रिकी शाखा के अधिकारियों को काम में तेजी लाने और परियोजना को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। जेडीसी रवि जैन ने बताया कि जेडीए द्वारा सभी प्रोजेक्ट की निरंतर मॉनिटरिंग करते हुए तीव्र गति से कार्य करवाया जा रहा है। जिसे निर्धारित समयावधि में पूर्ण कर लिया जायेगा। जेडीसी ने बताया कि आईपीडी टावर के साथ ही एसएमएस अस्पताल में इन्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज का भी निर्माण किया जाएगा। करीब 588 करोड़ की लागत से दोनों प्रोजेक्ट को तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एसएमएस अस्पताल में बनाया जा रहा आईपीडी टावर देश का सबसे ब?ा टावर होगा। इस बिल्डिंग में आने वाले मरीजों की सुविधा के लिए 16 लिफ्ट के साथ दो मंजिल पर पार्किंग विकसित की जाएगी। पूरे प्रोजेक्ट को 2 फेज में पूरा किया जाएगा। निदेशक अभियांत्रिकी प्रथम अशोक चौधरी ने बताया कि ये सुविधाएं यहां उपलब्ध होंगी : 20 ऑपरेशन थिएटर, 100 ओपीडी काउंटर, दो मंजिला बेसमेंट, 1200 बेड, एयर एम्बुलेंस के लिए छत पर हेलीपेड, पहली मजिल पर संगोष्ठी कक्ष, मेडिकल साइंस गैलरी एडमिशन ब्लॉक, दूसरी मंजिल पर रेडियोलॉजी सेवाए डायग्नोस्टिक, सिटी स्कैन, तीसरी मजिल पर छह आईसीयू वार्ड और संबंधित सेवाए, चौथी मजिल पर पोस्ट और प्रीआपरेटिव वार्ड, न्यूक्लियर मेडिसन, लैब एरिया साथ ही जनरल वार्ड, कॉटेज और डीलक्स रूम।

### क्लब हाउस-21 की सदस्यता के लिए काउंटडाउन शुरू, ऑनलाईन आवेदन 26 से

## आयुक्त पवन अरोड़ा ने ली समिति सदस्यों के साथ अहम बैठक, दिए जरूरी दिशा-निर्देश



परिष्कार पत्रिका जयपुर। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने क्लब हाउस-21 के संबंध में समिति सदस्यों के साथ बैठक लेकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, ब्रोशर, फी स्ट्रक्चर सहित अन्य विषयों पर चर्चा कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। आयुक्त ने बताया कि राजस्थान आवासन मंडल के द्वारा बनाए अन्य प्रोजेक्टों की तरह क्लब हाउस भी जयपुर का नया हॉट डेस्टिनेशन बनकर उभरेगा। उन्होंने बताया कि प्रताप नगर जयपुर के सेक्टर 24 में राज आंगन योजना में बनने वाले क्लब हाउस की सदस्यता के लिए 26 जनवरी से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। सदस्यता पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर दी जाएगी। अरोड़ा ने बैठक के दौरान क्लब हाउस में बनने वाले बैंक्विट हॉल, लाइब्रेरी, मिनी थियेटर, स्पोर्ट्स एरेना, जिम, स्विमिंग पूल, बार, कार्ड रूम्स सहित सदस्यों को दी जाने वाली सभी सुविधाओं का पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के जरिए प्रस्तुतिकरण देखा और आवश्यक सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी से क्लब की सदस्यता प्रक्रिया प्रारंभ करवाकर क्लब को ज्यादा से ज्यादा सुविधा संपन्न बनाना मंडल की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पवन अरोड़ा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदनों के चयन के लिए 7 सदस्यीय स्क्रीनिंग कमेटी का भी गठन कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि क्लब में लगभग 1500 सदस्य बनाए जा सकेंगे। एनआरआईए पीआईओ ओसीआई मेंबर्स के लिए सदस्यता शुल्क 3 लाख रुपए, कॉरपोरेट्स मेंबर के लिए 5 लाख, केंद्र व राज्य सरकार के अधिकारियों को क्लब की सदस्यता शुल्क में 20 एवं जयपुर स्थित आवासन मंडल की योजनाओं के आवंटियों को 10 फीसद की रियायत दी जाएगी।

क्लब में ये रहेंगी सुविधाएं : अन्तरराष्ट्रीय मापदंडों के आधार पर विकसित होने वाले क्लब हाउस में 25 कमरे बनाए जाएंगे, जहां स्पॉर्टस सुविधाओं के साथ, बार, ऑल वेदर स्विमिंग पूल और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। निजी सहभागिता के आधार पर क्लब 21 को हल्दीघाटी रोड़ के कैरेज-वे को जोड़ते हुए सम्पर्क सड़क बनाई जाएगी तथा शेष भूमि पर आईलैण्ड विकसित कर सम्पूर्ण क्षेत्र का सौन्दर्यीकरण किया जाएगा। क्लब 21 का अलग से प्रवेश व निकास द्वार बनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि निजी सहभागिता के आधार पर ही यहां साजसज्जा, फर्नीचर्स सहित जरूरी सुविधाएं विकसित कर क्लब-21 को विकसित किया जाएगा। बैठक में मुख्य अभियंता केसी मीणा, मुख्य अभियंता मुख्यालय मनोज जैन, वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर, राज आंगन समिति के संस्थापक अध्यक्ष शेखर गर्ग, वर्तमान अध्यक्ष शशि भार्गव, सचिव संजय हरप्रीत, आलोक मेहता सहित अन्य समिति सदस्यगण उपस्थित रहे।

RH राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास-सबको आवास

जयपुर के प्रताप नगर में विकसित देश के पहले
कोचिंग हब में निर्मित
आवंटन का द्वितीय चरण
आवंटन लॉटरी द्वारा
संस्थानिक सम्पत्तियों की आवंटन प्रक्रिया पुन: प्रारम्भ
ऑनलाइन आवेदन 07 दिसम्बर से 31 जनवरी, 2023 तक



फोटो प्रतीकात्मक

उपलब्ध कोचिंग परिसरों (परिसम्पत्तियों) का विवरण :

| क्र. सं. | निर्मित क्षेत्रफल का वर्गीकरण | उपलब्ध संख्या | सुपर बिल्टअप क्षेत्रफल (वर्गफीट) | दर प्रति वर्गफीट (रुपयों में) | कीमत (रुपयों में) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Complete Tower | 2 | 1,12,357.84 | 4380.91 | 49,22,29,800/- |
| 1(a) | Type-I (Ground & 1st Floor) | 10 | 8025.56 | 4619.69 | 3,70,75,600/- |
| 1(b) | Type-I (2nd & 3rd Floor) | 11 | 8025.56 | 4490.69 | 3,60,40,300/- |
| 2 | Type-II | 27 | 4012.72 | 4233.86 | 1,69,89,300/- |
| 3 | Type-III | 16 | 2808.79 | 4233.92 | 1,18,92,200/- |
| 4 | Type-IV | 10 | 2409.91 | 4233.85 | 1,02,03,200/- |
| 5 | Type-V | 19 | 2424.65 | 4233.84 | 1,02,65,600/- |
| 6 | Type-VI | 10 | 1588.06 | 4233.90 | 67,23,700/- |

नोट:- • उपरोक्त कीमत के अतिरिक्त नगर निगम को देय 15 प्रतिशत राशि एवं अन्य विविध व्यय पृथक से देय होंगे।
पात्रता • पंजीकरण के लिए कोचिंग संस्थाएं, स्टार्टअप संस्थाएं तथा व्यक्ति भी पात्र होंगे। आवंटित सम्पत्तियों का उपयोग केवल कोचिंग के लिए किया जा सकेगा।
• किसी एक सम्पूर्ण टावर अथवा किसी एक ही टावर मे एक ही श्रेणी की समस्त सम्पत्तियों के लिए आवेदन करने पर आवंटन में प्राथमिकता।

राजस्थान संवाद

शर्तें/भुगतान प्रक्रिया

- पंजीकरण हेतु आवेदन शुल्क 5000/- रुपये (18% GST अतिरिक्त)
- प्रोसेसिंग फीस राशि 10000/- रुपये (18% GST अतिरिक्त)
- आवेदक उपरोक्त तालिका में दर्शायी 6 श्रेणियों में से किसी एक श्रेणी में ही आवेदन कर सकेगा
- प्रत्येक श्रेणी में लॉटरी द्वारा आवेदकों की वरीयता निर्धारित की जायेगी
- वरीयता निर्धारण पश्चात् सफल आवेदकों को संस्थानिक सम्पत्ति का आवंटन लॉटरी द्वारा किया जायेगा
- 50 प्रतिशत राशि (पंजीकरण राशि समायोजित करते हुए) आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 120 दिवस में जमा करानी होगी
- शेष 50 प्रतिशत राशि आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 180 दिवस में जमा करानी होगी
- आवंटन पश्चात् संस्था आवंटित क्षेत्रफल में आन्तरिक साज-सज्जा का कार्य करवा सकेगी। परन्तु आवंटित परिसम्पत्ति का विधिवत कब्जा सम्पूर्ण राशि जमा कराने के पश्चात् ही दिया जा सकेगा
- आवंटी संस्था द्वारा विधिवत कब्जा प्राप्त करने से तीन माह की अवधि में संस्था संचालन की कार्यवाही करनी अनिवार्य होगी

आवंटन प्रक्रिया में भाग लेने, विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें

हेल्प लाइन नं. कार्यालय समय में: 0141–2744688, 0141–2740009 कार्यालय समय उपरान्त: (सायं 6:00 से 8:00 बजे तक) 9461054291 एवं 9460254319, 99833131666, 8852000770 या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) आवासीय अभियंता, श्री प्रकाश चौधरी (9983993886) से सम्पर्क करें।
मौका दिखाने के लिए साइट पर हैल्प डेस्क की व्यवस्था।

RERA Website:
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2022/2068

## सम्पादकीय

नव वर्ष का एक पखवाड़ा बीत चुका है। गणतंत्र की तैयारी है। माता-पिता, परिवारजन, समाज, देश ये सभी हमें संयमित करते हैं। कुछ करने के लिए प्रेरित करते हैं। हमारा समाज जो हमें आगे बढ़ने के लिए उत्प्रेरक का काम करता है। अगर समाज का डर न हो तो इंसान, इंसान नहीं रह सकता। हम खुद तो कैसे भी अपना जीवन बिता लेगे फिर जिंदगी के दरिया में कहीं न कहीं किनारे पर लग कर अपना जीवन व्यतीत कर ही लेंगे। लेकिन हम इस समाज के महत्वपूर्ण अंग है इसलिए हम हर पल समाज के आगोश में रहते हैं। समाज की बंदिशों का डर रहता है कि हम किसी भी काम को करने से पहले बहुत बार सोचने को मजबूर हो जाते हैं। अगर हमारी वजह से कोई गलत काम हो गया तो कहीं मुंह दिखाने लायक भी नहीं रहेंगे। फिर हमारे माता-पिता व हमारा परिवार समाज से अलग-थलग पड़ सकता है और यही छोटी-छोटी बातें हमको कुछ सकारात्मक व सार्थक करने के लिए प्रेरित करती है। निम्न मध्यवर्गीय परिवारों की तरक्की के रास्ते समाज ही दिखाता है जबकि उच्चवर्गीय परिवारों को समाज की कोई परवाह नहीं होती। उनको लगता है कि वह समाज से ऊपर है। यह अलग बात है कि अपवाद हर जगह पर हो सकते हैं बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक के लंबे सफर में सबसे बेशकीमती युवावस्था का समय हमारी जिन्दगी का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है और इसी पड़ाव पर हमको बचपन की सुनहरी यादों के साथ सपनों को साकार करने का प्रयास करना चाहिए। ताकि हम वृद्धावस्था में अपने समाज में गर्व से कह सके कि देखो हमने जिन्दगी के दरिया में मजबूत व दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर तैर कर अपने वह मुकाम हासिल किए हों जो कामयाबी के शिखर बन गये। अगर हमने युवावस्था में समाज की परवाह नहीं की, तो ऐसा हो सकता है कि वृद्धावस्था में समाज हमारा साथ छोड़ दें और हम अकेले रह जाएं, जिन्दगी के आखिरी मोड़ पर। इसलिए जरुरी हो जाता है कि हमको अपना कल संवारने के लिए आज समाज को सम्मान देकर उससे प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करते रहना चाहिए। अपने स्वाभिमान को अवश्य जिंदा रखना चाहिए। स्वाभिमान और आत्म सम्मान का व्यक्तित्व जीवित रह पाता है। वरना देश में करोड़ों की आबादी है कौन याद रह पाता है। इसलिए संयमित और अनुशासित जीवन पर विश्वास रखें। जयहिन्द। जयभारत।।

## नेताजी जयंती पर नाटक का मंचन



परिष्कार पत्रिका जयपुर। मुहाना मंडी रामपुरा रोड जयपुर स्थित निजी नर्सिंग कॉलेज के संस्कार भवन में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती पराक्रम दिवस पर स्टूडैंट्स ने नाटक मंचन कर दिखाई छद्मवेशी बन भारत से निकलने की घटना। कालेज प्रिंसीपल हितेश गौतम ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि वैदिक चिंतक ओमाश्रय सेवा धाम संचालक यशपाल यश ने दीप प्रज्वलित किया। यश ने बंगाल में महामारी प्लेग के समय नेताजी द्वारा रोगियों की विषैली गांठों को अपने मुंह से चूंस बाहर निकालने जैसे सेवा कार्यों का उल्लेख किया तभी वे वीर शिरोमणि कहलाए। यश ने भारतीयों का अपमान करने वाले अंग्रेज प्रोफेसर ओटन को चांटा मारने जैसी साहसिक घटनाएं स्वतंत्रता आंदोलन के नायक गांधी का सम्मान रखते हुए विजयी कांग्रेस अध्यक्ष पद त्यागना उनकी उदारता और लक्ष्य के प्रति समर्पण था। यश ने कहा कि सभी को जाति सम्प्रदाय भेदभाव रहित साथ लेकर आज़ाद हिन्द फौज बनाने के लिए देश विदेश में साथी जुटाना छद्मवेशी बन देश छोड़ना उनकी बुद्धि और युक्तियों का कमाल है। नेताजी के जीवन पर नाटक मंचन तथा भाषण में संदीप गुर्जर, राधेश्याम, सीमा लील सुखदेव वैनीवाल, लोकेश सैनी, सौरभ सिंह तथा रविन्द्र आदि ने भाग लिया।

## गांधी पत्रकार से अधिक एक कम्युनिकेटर थेः ओम थानवी




परिष्कार पत्रिका जयपुर। पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति ओम थानवी ने कहा कि गांधीजी एक पत्रकार से भी अधिक एक बेहतर कम्युनिकेटर थे। उन्होंने यह कहा कि पत्रकारिता समाज सेवा के लिए हो न कि व्यवसाय के लिए। थानवी महात्मा गांधी इन्स्टीट्यूट ऑफ गवर्नेन्स एण्ड सोशल साइन्सेज में गांधी दर्शन पर आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अमेरिका से आये डॉक्टर परीक्षित सिह ने गांधी को पाश्चात्य जगत में किस प्रकार देखा और समझा जाता है, इसे रेखांकित करते हुए कहा कि हमें गांधी को समझने के लिए वर्तमान में एक नवीन दृष्टि की आवश्यकता है। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो बीएम शर्मा ने कहा कि विश्व के अधिकांश देशों में गांधी को जाना एवं समझा जाता है। गांधी ने अंहिसा जैसे पुरातन सिद्धांत को व्यवहार में लाकर देश को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज की अधिकांश वैश्विक समस्याओं का समाधान गांधी के चिंतन में निहित है। सत्र के प्रारम्भ में प्रो संजय लोढ़ा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए छह दिन से चल रहे कार्यक्रम का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। संस्थान के प्रशिक्षक डॉ विकास नौटियाल ने गांधी की प्रासंगिकता का विस्तार से उल्लेख किया। इस प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध गांधी विचारक कुमार प्रशांत थे। उन्होंने कहा कि जो शब्दों को आकार दे व ही पत्रकारिता है। प्रशिक्षण सत्रों में हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति सनी सैबस्टियन, नारायण सिह बारहठ, प्रो राजन महान, डॉ कमलनयन, गांधीवादी विचारक सवाई सिह, धर्मवीर कटेवा, प्रो संजय लोढ़ा, प्रो संगीता शर्मा द्वारा व्याख्यान दिए गए। प्रशिक्षण के अंतर्गत प्रशिक्षणार्थियों को अपना घर भगवान महावीर विकलांग सहायता केंद्र गांधी खादी आश्रम का भ्रमण करवा। कर उन्हें गांधीवादी मूल्यों के व्यावहारिक पक्षों से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ ज्योति अरूण द्वारा किया गया। संस्थान के विशेष अधिकारी डॉक्टर सौमित्र नाथ झा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

## एक व्यक्ति के अंगदान से 4 लोगों को मिला जीवनदान

### मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत दूसरा हृदय प्रत्यारोपण

### आरजीएचएस के तहत लीवर का निःशुल्क प्रत्यारोपण

परिष्कार पत्रिका जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अंगदान सभी दानों में श्रेष्ठ है, इसलिए इसे महादान कहते हैं। एक व्यक्ति के अंगदान से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को नया जीवन मिलता है। उन्होंने कहा कि परिवार से एक व्यक्ति के चले जाने का दुरूख असहनीय होता है, लेकिन उसके अंग से मिलने वाले नए जीवन से वह स्वयं और अपने परिवार को गौरवान्वित बनाता है। राज्य सरकार द्वारा निरोगी राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के साथ-साथ अंगदान-महादान के लिए भी आमजन को जागरूक किया जा रहा है।

गहलोत ने सीकर के राधाकिशनपुरा के 22 वर्षीय अशोक सैनी के मरणोंपरांत अंगदान से 4 लोगों को मिले नए जीवन को प्रेरणादायक बताया। सड़क दुर्घटना में घायल हुए अशोक को चिकित्सकों द्वारा ब्रेनडेड घोषित किए जाने के बाद उसके परिवारजनों ने अंगदान करके दूसरों को जीवनदान देने का निर्णय लिया। चिकित्सक दल द्वारा अशोक के मरणोपरांत उसके हार्टए लीवर एवं दोनों किडनियों को अन्य लोगों में प्रत्यारोपित करने से 4 लोगों को नई जिंदगी मिली है।

इन चार लोंगों में से तीन लोगों में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, आरजीएचएस तथा मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के माध्यम से निःशुल्क अंग प्रत्यारोपण किया गया है। जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव ने बताया कि अशोक सैनी को पिछले दिनों सड़क दुर्घटना में घायल होने पर सीकर के कल्याण अस्पताल में भर्ती करवाया गया था और उसके बाद मणिपाल अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। चिकित्सक दल द्वारा अशोक सैनी को ब्रेन डेड घोषित किये जाने पर उनके भाई चन्द्रप्रकाश सैनी, बहन संजू चरणप्यारी, पिंकी एवं उनकी माता बनारसी देवी ने अंगदान का निर्णय लेते हुए इस अपनी सहमति प्रदान की।

**इनको जिंदगी दे गए अशोक सैनी :** अंगदान से प्राप्त अशोक की एक किडनी को मणिपाल अस्पताल में भर्ती नीलम अग्रवाल 29 वर्ष निवासी विद्याधर नगर जयपुर तथा दूसरी किडनी को एसएमएस में भर्ती रमेश कुमारी 37 वर्ष निवासी श्यामपुरा, बुहाना, झुंझुंनू में प्रत्यारोपित किया गया। इसी के साथ लीवर को मणिपाल अस्पताल में भर्ती राजेन्द्र सिंह चौहान 51 वर्ष निवासी सीकर तथा हार्ट एसएमएस अस्पताल में भर्ती कानाराम 28 वर्ष निवासी वार्ड नं 25 सुजानगढ़ में प्रत्यारोपित किया गया।

जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी सीकर डॉ अमित यादव द्वारा देहदान के प्रति जागरूकता लाने तथा अशोक सैनी के परिवार द्वारा विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी मानव सेवार्थ लिए गये अंगदान के निर्णय की प्रशंसा करते हुए अशोक सैनी के परिवार को इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से 51,000 रुपये की सहायता तथा एक परिवार जन को इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की आजीवन सदस्यता दिये जाने की घोषणा की गयी। इसके साथ ही जिला प्रशासन द्वारा गणतंत्र दिवस पर अशोक सैनी के परिवारजन को सम्मानित किये जाने का निर्णय भी लिया गया।

**चिरंजीवी योजना से दूसरा और एसएमएस में 5वां हृदय प्रत्यारोपण :**

चिकित्सकों ने सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कान्हाराम के बीमार हृदय को निकालकर अशोक सैनी के अंगदान से प्राप्त हृदय का सफल प्रत्यारोपण किया। बांगड स्थित सीटीवीएस विभाग के ऑपरेशन थियेटर में लगभग 6 घंटे चले जटिल ऑपरेशन को चिकित्सकों की टीम सफलतापूर्वक पूरा किया। कान्हाराम का हृदय प्रत्यारोपण मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत पूर्णतः निःशुल्क किया गया। इसी प्रकार राजेन्द्र सिंह चौहान के शरीर में अशोक सैनी के लीवर का सफल प्रत्यारोपण आरजीएचएस योजना के तहत निःशुल्क किया गया। एसएमएस अस्पताल में ही भर्ती रमेश कुमारी का किडनी ट्रांसप्लांट मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के तहत निःशुल्क किया गया। एसएमएस अस्पताल में यह पांचवा तथा मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत दूसरा सफल हृदय प्रत्यारोपण किया गया।

## जरूरतमंदों के लिए सार्थक हो रहा है समर्पण वस्त्र बैंक

परिष्कार पत्रिका जयपुर। समर्पण संस्था द्वारा संचालित समर्पण वस्त्र बैंक से संस्था की सक्रिय सदस्य लता व गुलाब देवी ने वी टी रोड़ पर सड़क किनारे तम्बू बनाकर रहने वाले जरूरतमंद परिवारों को वस्त्र वितरित किये।



स्वास्थ्य चर्चा

## स्तन कैंसर क्या होता है और इससे बचाव कैसे करना चाहिए

परिष्कार पत्रिका जयपुर। स्तन कैंसर क्या होता है और इसका बचाव कैसे करना हैऔर किस से सलाह लेनी है ये सारी बातें नंद किशोर खरोड़ सांगरिया से शब्दावली के माध्यम से विस्तृत और उपयोगी जानकारी शेयर कर रहे हैं।

मेरे मित्र डॉ निखिल मेहता सीनियर कंसल्टेंट एचसीजी हॉस्पीटल जो कि कैंसर रोग विशेषज्ञ और कैंसर सर्जन है, पूरे भारत में हमारा ग्रुप अलग-अलग तहसीलों में अलग-अलग जिलों में, अलग-अलग स्टेट में कैंसर स्क्रीनिंग अवेयरनेस के कैंप ऑर्गेनाइज करते हैं। हमारा मिशन 'कैंसर मुक्त भारत 2023'को सफल बनाना है। पूरे भारत में हर साल दो लाख से ज्यादा कैंसर पेशेंट मिल रहे हैं। डॉक्टर साहब के पिछले 3 महीने से जो कैंप के माध्यम से मैंने इनके विचार सुने, कैंसर के बारे में जानकारी हासिल हुई, वही जानकारी में मैं आपसे सांझा कर रहा हूं।

ब्रेस्ट कैंसर यानी स्तन कैंसर की कंप्लीट इंफॉर्मेशन शब्दों के माध्यम से जरा ध्यान से पढ़ें।

स्तन कैंसर या ब्रेस्ट कैंसर औरतों में बहुत कॉमन है, बहुत होता है एआज पूरे भारत में यह कॉमन कैंसर हैं इस कैंसर का डर 20 साल की लेडीज में सबसे कम रहता है सर्वे के अनुसार 283 में से एक लेडी को कैंसर होगा, लेकिन 80 साल की लेडी को हर 8 में से एक को कैंसर होगा। यानी जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है इस कैंसर की रिस्क भी बढ़ती जाती है। स्तन कैंसर बहुत ही क्यूरेबल कैंसर है पूरे वर्ल्ड में महिलाएं 99 प्रतिशत जीती है, उपचार लेने के बाद। लेकिन हिंदुस्तान में यह दर कम है, क्योंकि हमारे पास स्तन कैंसर की जो मरीज आती है, वे लेट स्टेज में आती हैं। लेकिन फिर भी 45 प्रतिशत महिलाएं पूरी जिंदगी जी सकती हैं, पूरी उम्र गुजार सकती हैं इलाज के बाद।

**'सिम्टम्स यानी लक्षण' :** स्तन कैंसर का प्रारंभिक लक्षण स्तन में एक गांठ का होना होता है। उस गांठ में दर्द नहीं होगा, यह पेनलेस गांठ होती है दर्द रहित गांठ। यह भी जरूरी नहीं की हर वह गांठ कैंसर की ही हो। भले ही वह स्तन में ही क्यों ना हो। यह फर्क कैंसर रोग विशेषज्ञ ही बता सकते हैं जैसे कि डॉक्टर निखिल मेहता जो कि एक ऑकोलॉजिस्ट हैं। सिर्फ ऑकोलॉजिस्ट ही इसे पहचान पाएंगे।

अतः मेरा सुझाव है यदि किसी महिला को 2 सेंटीमीटर की गांठ लंबे समय से महसूस होती हो तो वह एक ऑकोलॉजिस्ट की सलाह जरूर लें या कैंसर स्पेशलिस्ट से कंसल्ट करें।

दूसरा लक्षण है निप्पल का अंदर खींच जाना या स्तन की विकृति, किसी तरह से डिफॉर्मेशन स्तन का छोटा-बड़ा होना।

तीसरा लक्षण है निप्पल से खून का रिसना। ये तीन कोमन लक्षण है। एक बात का ध्यान रखिएगा कि यदि किसी महिला की रजोनिवृत्ति हो गई हो यानी उसका निरोपोल हो गया हो यानी उसकी महामारी बंद हो गई हो, उसके बाद स्तन में गांठ दिखे तो जरूर कैंसर ही माना जाना चाहिए।' जब तक कि इस बात का सबूत ना मिल जाए कि वो कैंसर नहीं है।

बहुत कम शब्दावली में मैं इसके स्टेज को बता रहा हूं।
प्रथम स्टेज स्तन का कैंसर, छोटा कैंसर मटर के दाने के आकार का है तो वह प्रथम स्टेज है
द्वितीय स्टेज यदि वह कैंसर मौसमी के आकार का हो गया हो तो वह स्टेज सेकंड है।
तृतीय स्टेज यदि वह और बड़ा होकर के त्वचा पर उसकी गांठ नजर आए या त्वचा में घाव आ गया हो तो वह स्टेज 3 होती है।
चतुर्थ स्टेज यदि वह स्तन कैंसर फेल कर लीवर या हार्ट या लंगज या कहीं और भी फैल गया हो तो वह स्टेज 4 है।

ज्यादातर हमारे पास जो महिलाएं आती हैं वह स्टेज 3 तक में आती हैं मगर कई स्टेज 4 में भी आती है इनका बचाव करना मुश्किल होता है, परंतु आज की टेक्नोलॉजी को देखते हुए स्तन कैंसर की तकनीक विकसित हुई है आज स्तन को बचाते हुए कैंसर को निकाला जा सकता है और लेडी अपनी लाइफ ताउम्र अच्छे से गुजार सकती है उपचार के बाद।

स्तन के बचाव में डायग्नोस्टिक : सबसे पहले स्तन कैंसर की जांच में जरूरी है मैमोग्राफी, उसके बाद सीटी स्कैन, इसके बाद बायोप्सी होना




आवश्यक है।

इन तीन से यह निश्चित हो जाएगा कि स्तन कैंसर ही है और कोई अन्य बीमारी नहीं है। इनके अतिरिक्त सीटी स्कैन से यह पता चल जाएगा कि स्तन कैंसर शरीर में कहां-कहां फैला हुआ है। यदि आवश्यकता पड़े तो डॉक्टर यानी ऑकोलॉजिस्ट आपको पीईटी स्केन की सलाह दे सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद होगा और यदि आप का कैंसर फोर स्टेज में है तब भी आपको नहीं घबराना, संभव है कि डॉक्टर कीमोथेरेपी करके, उसे कम करके, उसका इलाज करके एकाफी दिनों की जिंदगी दे सकते है डीजीज फ्री लाइफदे सकते है।

स्तन कैंसर के इलाज में सबसे बड़ा रोल सर्जरी का होता है गांठ को निकालने का है लेकिन गांठ को निकाला तब जाता है जब स्तन कैंसर बाकी अंगों में ना फैला हो। अतः इसके लिए यदि बाकी अंगों में फैला हो तब कीमोथेरेपी करके बाकी अंगों से उसके अंश हटा दिए जाते हैं और जब गांठ निकाल दी गई तो जो बाकी बचा हुआ हिस्सा छाती का होता है उसे रेडियोथैरेपी किया जाता है।

यानी स्तन कैंसर के इलाज में 'सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडियोथैरेपी' तीनों का अहम रोल होता है और यह तीनों आवश्यक हैं। यह आपके ऑकोलॉजिस्ट आपको सुझाव देंगे कि पहले कौन सा होना है या केवल एक-दो ही होना है। स्तन कैंसर के इलाज में सर्वप्रथम यदि छोटा हो तो सर्जरी होगा, सर्जरी होकर उसके बाद रेडियोथेरेपी होगा और अंत में कीमोथेरेपी होगा। यदि बहुत छोटा न हो, थोड़ा बड़ा हो तो पहले कीमोथेरेपी करके छोटा किया जाएगा। फिर रेडियोथेरेपी करके, सर्जरी होगा और यदि काफी अंगों में फैल गया हो तो सर्जरी पहले नहीं होगा। पहले पूरा कीमोथेरेपी होगा, तत्पश्चात रेडियो थेरेपी होकर सर्जरी होगा। स्तन कैंसर का फैलाव लिवर में होता है, हड्डियों की मज्जा में होता है, ब्रेन में होता है और लंगज में होता है। यदि ब्रेन और लंगज में चला गया तो स्तन कैंसर नाइलाज माना जाता है। यही कैंसर एक सेंटीमीटर से कम हो तो पूरी तरह साध्य है, पूरी तरह ठीक हो सकता है।

एक बात का ध्यान रखिएगा कि आपने इलाज करवा लिया तो उसके बाद भी डॉक्टर के पास नियमित चेक करवाते रहिएगा। यह भी इलाज का एक हिस्सा है, शुरुआत में हर 3 माह में डॉक्टर परीक्षण के लिए बुलाएंगे। उसके बाद 6-6 महीने पर,उसके बाद साल-साल में। डॉक्टर देखते हैं कि स्तन कैंसर कहीं दोबारा फेल तो नहीं रहा, कहीं वापिस तो नहीं आ रहा, इसका परीक्षण नियमित रूप से करवाएं। कभी छोड़ना नहीं है। स्तन कैंसर की एक और खासियत है कि स्तन कैंसर होने से दो-तीन साल पूर्व ही पता लगाया जा सकता है कि स्तन कैंसर हो रहा है या नहीं। हर 40 साल की महिला या इससे ज्यादा को 2 साल में एक बार मैमोग्राफी करवानी चाहिए। जिसमें पता चल जाएगा कि उसके स्तन में कोई गांठ हो रहा है या नहीं, तत्पश्चात उस गांठ का बायोप्सी करके यह बताया जा सकता है कि वह स्तन कैंसर है या नहीं। यह नहीं है कि बायोप्सी करके, उपचार अलग से होगा, उसी में ही उपचार भी है और वह इकलौता उपचार होगा। इसमें आप स्तन कैंसर के पीड़ति होने से बच सकते हैं। यदि किसी महिला के माता, मासी, बहिने इनमें से किसी तरह का स्तन कैंसर हो चुका हो, तो उसे मैमोग्राफी 40 साल के पूर्व ही शुरु कर देनी चाहिए, ताकि स्तन कैंसर का जल्दी पता लगा सके। कैंसर का पूर्व परीक्षण करवाइए, कैंसर के प्रति सतर्क रहिए और अपनी सुरक्षा और अपनी बहू-बेटियों की सुरक्षा करें।

## ओउमाश्रय सेवा धाम ने जयपुर के सरकारी स्कूलों में बांटे कंबल



परिष्कार पत्रिका जयपुर। ओउमाश्रय सेवा धाम द्वारा दो सरकारी स्कूलों में कम्बल वितरित किए गए। वितरण करने यशपाल यश, श्रीकृष्ण सैनी, दीपांकर तथा राजेश जोगी ने भाग लिया। राजकीय प्राथमिक विद्यालय लादू मींणा की ढाणी तथा राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय मोहनपुरा वालाजी के पास किया गया। यश ने वताया कि ओउमाश्रय सेवा धाम में प्रभुजनों के लिए आवश्यकता से अधिक कम्बल आ गये हैं, इसलिए उपयुक्त पात्रों को वितरण किया गया है।

यश ने कम्बल उपलब्ध कराने वाले एसोसिएट प्रोफेसर एम एन आई टी राजीव अग्रवाल संजीव वंशल, जगदीश प्रसाद सिंघल एवं दिलीप सिंहल महुआ वाले पत्रकार कालोनी जयपुर, विनोद कुमार, विकास जैन एवं सत्यम वंशल तथा गौसेवा समिति त्रिवेणी नगर का नाम उल्लेख किया। इस अवसर पर प्रधान अध्यापक अमिता दीक्षित एवं विजेता शर्मा तथा मोहनपुरा वालाजी स्कूल में डॉ राजेश कुमार शर्मा, गिरीश शर्मा, ज्योति पाठक, सीमा शर्मा, गिरधारी सिंह, रीना गुर्जर, सोनू मीणा, डॉ रघुवीर प्रसाद शर्मा, हरिकृष्ण शर्मा, टीकम वर्मा, रजीता शर्मा, ज्योति अरोड़ा, पिंकी जैन, ऊषा श्रीमाल, दीपा सहगल, जगदीश प्रसाद शर्मा, नरेन्द्र कुमार शर्मा, मीना शर्मा बाईजी मौजूद रहे।

**सफल होने के लिए तीन नियम**

खुद से वादा
मेहनत ज्यादा
और मजबूत इरादा

## मेहनत और आत्मविश्वास से मिलती है सफलता : सीपी जोशी



परिष्कार पत्रिका जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने यहां मानसरोवर स्थित टैगोर इन्टरनेशनल स्कूल में आयोजित जयपुर यूथ कॉनक्लेव 2023 में युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजनीति क्षेत्र में सफलता के लिए आत्मविश्वास के साथ अधिक से अधिक सार्थक जानकारी और कठिन मेहनत का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी निभाकर हम समाज की सेवा कर सकते है। डॉ जोशी ने युवाओं को राजनीति के क्षेत्र में आने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को इसके लिए मेहनत करनी होगी विभिन?न विषयों की जानकारी रखनी होगी और आगे बढ़ने की पहल करनी होगी। डॉ जोशी ने अपने युवा काल के अनुभव युवाओं को सुनाये। उन्होंने कहा कि वे साधारण परिवार से है लेकिन राजनीति के क्षेत्र में कार्य करने के प्रण ने उन्हें आगे बढ़ने के अवसर दिये। डॉ जोशी ने वरिष्ठ राजनीतिज्ञों के समक्ष युवाओं को अपनी बात रखने के गुण सिखाये। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि अपनी जिम्मेदारियों को समझें, अपने कर्त्तव्यों और अधिकारों को जाने और जनहित के मुद्दों पर निरन्तर चर्चा करेंगे तो युवाओं को सफलता अवश्य मिलेगी। कार्यक्रम में रसिद किदवई, कमल राठौड, योगिता भायाना, गोतम सिंह सेठ और राहुल काजला सहित उच्च शिक्षा में अध्यनरत छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

## वार्ड 45 में डेढ़ करोड़ की लागत से बनने वाली सीवरेज लाई का शिलान्यास

### 6 किलोमीटर लम्बी होगी सीवरेज लाइन



परिष्कार पत्रिका जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने जमना नगर विस्तार व कबीर कालोनी और सुशीलपुरा के निवासियों के लिए डेढ़ करोड़ की लागत से बनाई जाने वाली 6 किलोमीटर लम्बी सीवर लाइन का शिलान्यास किया।

सीवर लाइन की आधारशिला रखते हुए खाचरियावास ने कहा कि इस क्षेत्र में जब कच्चा नाला बहता था व पानी के बहाव से लोगों के धर गिर जाते थे, तब छात्र होते हुए भी वे इस क्षेत्र में लोगों को उजड़ने से बचाने के लिए आते थे। जेडीए और सेना ने प्रयास किए कि गरीब लोगों की कालोनियों को हटा दिया जाये लेकिन क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर उन्होंने आवाज उठाई व न केवल इस इलाके को बसने मे मदद की बल्कि क्षेत्र मे सड़कें, बिजली, पानी, स्कूल, डिस्पेंसरी आदि समस्याओं का हल करवाया। उन्होंने कहा कि जब कोई जन प्रतिनिधि साफनीयत से जरुरतमंदों की मदद करता है, उनके आंसू पौंछने का कार्य करता है तो उसका पुण्य प्रताप परमात्मा से मिलता है।

खाचरियावास ने उपस्थित क्षेत्रवासियों से अपील की कि सीवर लाइन बनने के बाद उसकी जांच हो जाने व सड़क बन जाने के बाद ही उपयोग में ले ताकि फिर बार बार मरम्मत की जरूरत न पड़े। इस अवसर पर हैरिटेज महापौर मुनैश गुर्जर ने समारोह में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस सीवर लाइन का निर्माण प्रभावी मोनिटरिंग से रिकॉर्ड समय में अच्छी गुणवत्ता के साथ करवायें व हर गली में सीवर लाइन चैम्बर हो यह सुनिश्चित करें। इस मोके पर जेडीए व नगर निगम के अधिकारी सहित सैकड़ों नागरिक उपस्थित थे।

## विद्यार्थियों ने सीखे योग एवं अहिंसक रहने के प्रभावशाली उपाय




परिष्कार पत्रिका लाडनूं। अहिंसा एवं शांति की संस्कृति विषय पर एक दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन यहां जैन विश्वभारती संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में किया गया। शिविर में स्थानीय आदर्श विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। शिविर में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग प्रशिक्षक दशरथ सिंह द्वारा उन्हें योग के विभिन्न आसनों के अभ्यास करवाए। तीन सत्रों में विभागजित इस शिविर के उद्घाटन सत्र में एनिमेटेड वीडियो के माध्यम से बच्चों को दूसरों का सहयोग एवं परस्पर सहभागिता के लिए हमेशा प्रयासरत रहने का संदेश दिया गया। सत्र की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ रविंद्र सिंह राठौड़ ने वर्तमान परिदृश्य में अहिंसा एवं शांति की नीति को व्यक्तिगत स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक उपयोगी बताते हुए शिविर के महत्व व आवश्यकताओं के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि वर्तमान में उभर रही है समस्त समस्याओं का समाधान अहिंसक नीतियों से किया जाना सहजता पूर्वक संभव है। छात्रा खुशी जोधा ने संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रम एवं विशिष्ट विशेषताओं का पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। शिविर के दूसरे सत्र में विभाग के विद्यार्थियों सिमरन, हरुनिशा, निशा, कल्पना, दिपांशी, ज्योति, जयश्री जांगिड़, लीलाधर, धीरज आदि ने उत्साहवर्धनक एवं सामाजिकता के विकास सम्बंधी प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम व नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए।


## परिष्कार मैरिज ब्यूरो

### वधु चाहिए

आवश्यकता है 27 वर्षीय एमए पास प्राइवेट बैंक में कार्यरत लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। गोत्रः खटक, डाबला, कायथ। पो.बा. नं. 407, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 27 वर्षीय बीए एलएल बी पास लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। गोत्रः अटकाण, पचेरवाल, गहलोत। पो.बा. नं. 406, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 25 वर्षीय 12वीं पास लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। गोत्रः किरार, मोरवाल, डाबला। पो.बा. नं. 395, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 27 वर्षीय बीकॉम पास लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। गोत्रः निर्वाण, मौर्या, कायथ। पो.बा. नं. 404, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 30 वर्षीय स्नातक पास लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। गोत्रः सीलण, खर्रा, बमणिया। पो.बा. नं. 402, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 25 वर्षीय एमए लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। गोत्रः डाबला, किराड़, निर्वाण। पो.बा.509, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 24 वर्षीय बीए लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। गोत्रः फरण्ड, कायथ, निर्वाण। पो.बा. 507, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 30 वर्षीय ग्रेजुएट लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। गोत्रः खर्रा, निर्वाण, सोलंकी। पो.बा.506, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 30 वर्षीय 10वीं पास लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। गोत्रः निर्वाण, मावर, चौरा। पो.बा. 504, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है बीए, एलएलबी मांगलिक लड़के जन्म 1989 के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। गोत्रः लौंगवर्षा, कठेरिया। पो.बा. 396, सम्पर्क करें 9598170777, 8177050282, 9314407796

------------

### वर चाहिए

आवश्यकता है 27 वर्षीय, बीए लड़की के लिए नौकरी या स्व रोजगार करने वाले लड़के की। गोत्रः इन्दौरा, कटारिया, लुगरिया। पो.बॉ. 405, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 27 वर्षीय, बीएससी लड़की के लिए नौकरी या स्व रोजगार करने वाले लड़के की। गोत्रः कायथ, कटारिया, इन्दौरिया। पो.बॉ. बी-24 एफ, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 24 वर्षीय, बीए, एम ए लड़की के लिए नौकरी या स्व रोजगार करने वाले लड़के की। गोत्रः किराड़, इन्दौरा, दैराण। पो.बॉ. 373, सम्पर्क करें 9314407796 ------------

आवश्यकता है 25 वर्षीय, बीए, लड़की के लिए नौकरी या स्व रोजगार करने वाले लड़के की। गोत्रः मावर, डाबला, गहलोत। पो.बॉ. 376, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 28 वर्षीय, बीए, एम ए लड़की के लिए नौकरी या स्व रोजगार करने वाले लड़के की। गोत्रः किरार, कायथ, तुर्किया पो.बॉ. 356, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 25 वर्षीय, एमकॉमपास लड़की के लिए नौकरी या स्व रोजगार करने वाले लड़के की। गोत्रः खनगवाल, मोरवाल, तुर्किया, इन्दौरा। पो.बॉ. 510, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 21 वर्षीय, बीए पास लड़की के लिए नौकरी या स्व रोजगार करने वाले लड़के की। गोत्रः इन्दौरा, कटारिया, लुगरिया। पो.बॉ. 508, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 25 वर्षीय, बीए पास लड़की के लिए नौकरी या स्व रोजगार करने वाले लड़के की। गोत्रः लुगरिया, मावर, डाबला, अटकाण। पो.बॉ. 398 , सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 32 वर्षीय, बीए लड़की के लिए नौकरी या स्व रोजगार करने वाले लड़के की। गोत्रः किरार, डाबला, सीलन पो.बॉ. बी-1 एफ, सम्पर्क करें 9314407796

------------

आवश्यकता है 23 वर्षीय, बीएससी लड़की के लिए नौकरी या स्व रोजगार करने वाले लड़के की। गोत्रः निर्वाण, बावलिया, खर्रा पो.बॉ. बी-2 एफ, सम्पर्क करें 9314407796

## मुख्यमंत्री जी हमसे मिलो - पोस्टर जारी

# विधानसभा के दौरान सड़क पर उतरने का ऐलान

परिष्कार पत्रिका जयपुर। चलो नायला संगठन के आह्वान पर नायला पत्रकार नगर के 571 आवंटी पत्रकारों का आंदोलन रविवार को 14वें दिन भी जारी रहा। रविवार को अवकाश के चलते आवंटी पत्रकारों का जत्था तो सीएमआर नहीं गया, लेकिन दूरभाष पर सीएम से मिलने के लिए समय मांगा गया। आवंटियों की रविवार को विशेष ग्रुप मीटिंग में आगामी रणनीति पर चर्चा हुई और विधानसभा शुरू होने के साथ ही आंदोलन तेज कर सड़क पर उतरने का निर्णय किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री जी हमसे मिलो पोस्टर भी जारी किया गया।

14 दिन से लगातार मुख्यमंत्री निवास पर पहुंचकर मिलने का समय मांगने पर भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समय नहीं देने पर आवंटियों ने तीखी नाराजगी जताई। आवंटी पत्रकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री गहलोत को 571 आवंटियों के सम्बन्ध में कुछ अधिकारी भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि उन्हें पिंकसिटी प्रेस एनक्लेव, नायला के वास्तविक तथ्यों का ज्ञान ही नहीं है। वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण दत्ता ने बताया कि यूडीएच के प्रमुख सचिव का कहना है कि हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार सिर्फअधिस्वीकृत पत्रकारों को ही प्लॉट दिए जा सकते हैं। जबकि आदेश में ऐसा नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि यही मामला किसी धनपति को जमीन देने का होता तो हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के फैसले भी दरकिनार कर दिए जाते। यह कैसी सरकार है जो दस साल में भी हाई कोर्ट के आदेश पर एजी और एएजी की राय नहीं ले सकी। बेहद अजीब है कि सरकारें आरक्षण के मुद्दे पर बड़े बड़े वकील खड़े कर सकती है, लेकिन एक सामान्य आदेश की सही व्याख्या भी नहीं कर सकी है। इस पर अन्य आवंटी पत्रकारों का कहना था कि यूडीएच के प्रमुख सचिवए जो कि राज्य स्तरीय पत्रकार आवास समिति के अध्यक्ष भी हैं। वे भूल रहे हैं कि 1 अप्रेल, 2011 से 14 मार्च, 2012 तक वे डीआईपीआर में कमिश्नर रहे थे। उन्होंने ही तो पिंकसिटी प्रेस एनक्लेव, नायला के लिए नियम व पात्रताएं निर्धारित की थी। ऐसे में 571 के चयन पर सवाल उठाना सरासर गलत है। नगरीय विकास विभाग के उस समय जारी आदेशों में राजस्थान अधिस्वीकरण नियम 1995 को ध्यान में रखते हुए नायला योजना की पात्रता में पांच वर्षीय सक्रिय पत्रकारिता के अनुभव को प्रमुख पात्रता तय किया गया था, जिसके आधार पर पूरे राजस्थान में पत्रकारों को प्लॉट आवंटित किए गए हैं। न्यायालय के आदेश में भी नियम 1995 की पालना पर जोर दिया गया है, न कि अधिस्वीकरण प्रमाण पत्र मांगने की बात कही है। आवंटी पत्रकारों ने अखबारों के जरिये अधिकारियों की पोल खोलो अभियान भी छेड़ने पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री को इस मामले में दखल देकर नगरीय विकास विभाग के 20 अक्टूबर, 2010, 4जनवरी,2011 और 28फरवरी, 2013 के नीतिगत आदेशों की पालना करानी चाहिए। जिससे कि 571 आवंटियों

के साथ न्याय हो सके। मीटिंग में सभी ने एक स्वर में तय किया कि मुख्यमंत्री से मिलने के लिए जत्थों का सीएमआर जाने कार्यक्रम अनवरत जारी रहेगा और जल्द ही सभी जत्थों का मुख्यमंत्री निवास तक एक साथ पैदल मार्च भी होगा।

## प्रेरक प्रसंग

# भाग्य का खाना

परिष्कार पत्रिका जयपुर।

एक बार, एक घर के मुखिया को यह अभिमान हो गया कि उसके बिना उसके परिवार का काम नहीं चल सकता।

उसकी छोटी सी दुकान थी। उससे जो आय होती थी, उसी से उसके परिवार का गुजारा चलता था।

चूंकि कमाने वाला वह अकेला ही था इसलिए उसे लगता था कि उसके बगैर कुछ नहीं हो सकता।

वह लोगों के सामने डींग हांका करता था।

एक दिन वह एक संत के सत्संग में पहुंचा। संत कह रहे थे, दुनिया में किसी के बिना किसी का काम नहीं रुकता।

यह अभिमान व्यर्थ है कि मेरे बिना परिवार या समाज ठहर जाएगा। सभी को अपने भाग्य के अनुसार प्राप्त होता है।

सत्संग समाप्त होने के बाद मुखिया ने संत से कहा : मैं दिन भर कमाकर जो पैसे लाता हूं उसी से मेरे घर का खर्च चलता है। मेरे बिना तो मेरे परिवार के लोग भूखे मर जाएंगे।

संत बोले : यह तुम्हारा भ्रम है। हर कोई अपने भाग्य का खाता है।

इस पर मुखिया ने कहा : आप इसे प्रमाणित करके दिखाइए।

संत ने कहा : ठीक है। तुम बिना किसी को बताए घर से कुछ महीने के लिए गायब हो जाओ। उसने ऐसा ही किया।

संत ने यह बात फैला दी कि उसे बाघ ने खा लिया है।

मुखिया के परिवार वालों ने कई दिनों तक शोक मनाया। गांव वाले आखिरकार उनकी मदद के लिए सामने आए।

एक सेठ ने उसके बड़े लड़के को अपने यहां नौकरी दे दी। गांव वालों ने मिलकर लड़की की शादी कर दी। एक व्यक्ति छोटे बेटे की पढ़ाई का खर्च देने को तैयार हो गया।

कुछ महीने बाद मुखिया छिपता-छिपाता रात के वक्त अपने घर आया।

घर वालों ने भूत समझकर दरवाजा नहीं खोला।

जब वह बहुत गिड़गिड़ाया और उसने सारी बातें बताई तो उसकी पत्नी ने दरवाजे के भीतर से ही उत्तर दिया।

हमें तुम्हारी जरूरत नहीं है। अब हम पहले से ज्यादा सुखी हैं। यह सुनकर उस व्यक्ति का सारा अभिमान उतर गया।

वास्तविकता यही है कि संसार किसी के लिए भी नही रुकता। यहाँ सभी के बिना काम चल सकता है। इस लिए इस भ्रम से जल्द से जल्द बाहर आ जाना चाहिए। इस संसार को चलाने वाला केवल और केवल परमात्मा ही है।

विजय सिंह किरार

# रींगस में धानका समाज स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 29 जनवरी को

परिष्कार पत्रिका रींगस। धानका समाज स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 2023 का आयोजन आदिवासी धानका समाज रींगस के तत्वावधान में होटल रॉयल एनएच 52 जयपुर रोड़ रींगस जिला सीकर राजस्थान में 29 जनवरी 2023 रविवार को किया जाएगा।

आयोजन समिति के पदाधिकारी सत्यनारायण मोरवाल ने परिष्कार पत्रिका को बताया कि विधानसभा क्षेत्र खंडेला व श्रीमाधोपुर में यह समाज का पहला कार्यक्रम है। इसमें दसवीं, बारहवीं परीक्षा में वर्ष 2020-2022 तक 75 प्रतिशत व इससे अधिक अंक प्राप्तकर्ता, खेलकूद में जिला/राज्य/राष्ट्रीय/ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत खिलाड़ी, राज्य एवं राष्ट्रीय सिविल सर्विसेज में चयनित अधिकारी, विभिन्न सेवा में चयनित अधिकारी सहित विशिष्ट प्रतिभाओं को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए जयपुर सहित विभिन्न स्थानों से अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से प्रारम्भ होगा। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय निवासियों में जबरदस्त उत्साह है। इसके लिए लगभग सभी तैयारियों पूरी हो गई है।

## एमएनआईटी जयपुर एल्यूमिनी एसोसिएशन

# छात्र को दी मोटरचलित व्हील चेयर

परिष्कार पत्रिका जयपुर। मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जयपुर एल्यूमिनी एसोसिएशन ने कॉलेज के प्रथम वर्ष के छात्र सौरभ गंगवार को मोटर चलित व्हील चेयर उपलब्ध करवाई। छात्र सौरभ गंगवार को मास्क्यूलर डिस्ट्रोफी की बीमारी है, जिसके कारण शरीर की मांसपेशियों में कमजोरी होने से चल-फिर नहीं सकता है।

एमएनआईटी एल्युमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष देवराज सोलंकी ने बताया कि छात्र की समस्या को देखते हुए छात्र को एक मोटरचलित व्हील चेयर देने का निर्णय लिया।

इस अवसर पर प्रो राकेश जैन डीन एल्यूमिनी अफेयर्स, डॉ नन्द कुमार, एसोसिएट डीन एल्यूमिनी अफेयर्स, राकेश कुमार, महासचिव एसोसिएशन सहित अन्य पदाधिकारी और छात्र उपस्थित रहे। कॉलेज के छात्रों और डीन की उपस्थिति में अध्यक्ष देवराज सोलंकी ने छात्र को रिमोट से चलने वाली व्हील चेयर पर बैठाया। एसोसिएशन को छात्र के पिता ने बताया था कि सौरभ पढ़ने में बहुत होशियार है, लेकिन बीमारी के कारण उसे नियमित रूप से क्लास अटेंण्ड करने में परेशानी आ रही है। उसके पास हाथ से चलने वाली व्हील चेयर है, लेकिन उसके लिए एक अटेन्डेन्ट की हमेशा जरूरत रहती हैं। इस नई व्हील चेयर मिलने से सौरभ को काफी सुविधा होगी। इस अवसर पर देवराज सोलंकी ने बताया कि एसोसिएशन की वर्तमान एग्जीक्यूटिव कमेटी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 अब तक 7 छात्रों को 2.35 लाख रुपए की स्कॉलरशिप दी है। उन्होने यह भी बताया कि एसोसिएशन के हैदराबाद चैप्टर द्वारा 28 से 29 जनवरी को ग्लोबल एल्यूमिनी मीट का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश-विदेश से लगभग 200 पूर्व छात्र शामिल होंगे। उक्त मीट में एसोसिएशन द्वारा प्रोमिनेन्ट एल्यूमिनी अवार्ड भी दिये जाऐंगे।

# महज आठ रूप में हर जरूरतमंद को भरपेट पोष्टिक खाना दे रही राज्य सरकार

### मुख्यमंत्री का संकल्प, कोई भूखा ना सोए

परिष्कार पत्रिका जयपुर। प्रदेश में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के संकल्प कोई भूखा नहीं सोए को साकार करते हुए स्थापित इंदिरा रसोइयों की संख्या अपने लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर हैं। वर्तमान में क्रियाशील 980 रसोइयों को मिलाकर एक हजार रसोइयां खोलने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अब मात्र 20 रसोइयां खोली जानी शेष हैं। जनहित के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। इंदिरा रसोई योजना प्रदेश भर में लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के संकल्प का ही परिणाम है कि इंदिरा रसोई योजना प्रदेश भर में गरीब, मजदूर, कोचिंग छात्रों, बुजुर्गों एवं सरकारी अस्पताल में आने वालों, कृषि मंडियों के किसानोंए रेल यात्रियों व बस स्टैंड के साथ-साथ प्रदेश के सभी नगर निकायों में जरूरतमंद लोगों का पेटभर भोजन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

**बजट लक्ष्य होगा पूर्ण :** मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट सत्र 2022-23 के अनुसार 1000 रसोई का लक्ष्य रखा था, जो शीघ्र ही पूर्ण होने की ओर अग्रसर है। वर्तमान में 980 इंदिरा रसोई सुचारू रूप से कार्य कर रही हैं। इनसे हर वर्ग के जरूरतमंदों को भोजन मिल रहा है।

इंदिरा रसोई योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका सस्ताए सुलभ और गुणवत्ता से पूर्ण होना है। प्रदेश में योजना की सफलता की स्थिति यह है कि अब तक इंदिरा रसोई के माध्यम से मात्र 8 रूपए में 9.45 करोड़ से ज्यादा थाली परोसी जा चुकी हैं।

**कर्मचारी भी ले रहे हैं इसका लाभ :** राज्य सरकार ने सरकारी विभाग के ग्रुप-डी, संविदाकर्मियों तथा अन्य जरूरतमंद कर्मचारियों को ध्यान में रखते हुए शासन सचिवालय और कृषि विभाग जैसे बड़े सरकारी विभागों के नजदीक इंदिरा रसोई खोली है। इससे जरूरतमंद कर्मचारियों को भी मात्र 8 रूपये में पौष्टिक खाना मिल पा रहा है।

**निरंतर निगरानी, गुणवत्ता पर ध्यान :** इंदिरा रसोई की व्यवस्थाओं को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की चिंता को इसी बात से समझा जा सकता है कि मुख्यमंत्री द्वारा सभी जिला एवं नगर निकायों के अधिकारी तथा जनप्रतिनिधियों को हर महीने इंदिरा रसोई में जाकर खाने का निरीक्षण करने और लोगों के साथ बैठकर खाना खाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कई बार स्वयं भी जगह-जगह इन रसोइयों में जाकर परोसे जा रहे भोजन का आनंद लिया और वहां भोजन कर रहे लोगों से भी खाने की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली।

**कर्मचारियों ने बताया उपयोगी :** नजदीकी गांव से राजधानी जयपुर में काम करने आए कर्मचारी मनोज कुमार मीणा ने बताया कि यहां आठ रूपये में बढ़िया और पौष्टिक भोजन मिल रहा है। सभी व्यवस्थाएं भी अच्छी हैं। सभी कर्मचारियों के लिए यह इंदिरा रसोई अत्यंत उपयोगी है।

### आहों से पत्थर पिघलेगा इस धोखे में मत रहना

आहों से पत्थर पिघलेगा
इस धोखे में मत रहना।
बिना लड़े इन्साफ मिलेगा,
इस धोखे में मत रहना।
भारत के ज़र्रे-ज़र्रे में,
अपना-अपना हिस्सा है
बुला-बुला कर कोई देगा,
इस धोखे में मत रहना।
भाग्य और भगवान तो प्यारे,
केवल एक छलावा है
ईश्वर ही कल्याण करेगा,
इस धोखे में मत रहना।
कहा किसी ने तेरे हाथों में,
धन दौलत की रेखा है
छप्पर फाड़कर धन बरसेगा,
इस धोखे में मत रहना।
शिक्षित और संगठित होकर,
खुद पर तुम विश्वास करो।
और कोई संघर्ष करेगा,
इस धोखे में मत रहना।
संविधान की रक्षा करना,
सब की जिम्मेदारी है
कोई और बेड़ा पार करेगा,
इस धोखे में मत रहना।
फिर अंबेडकर पैदा होंगे,
इस धोखे में मत रहना।
बिना लड़े इन्साफ मिलेगा,
इस धोखे में मत रहना।

# कैथलीनों आई फांउडेशन ने जरूरतमंदों को राशन किट वितरित किए

परिष्कार पत्रिका जयपुर। कैथेलिनो आई फाउंडेशन द्वारा लगातार पिछले दो वर्षों से कोरोना वेलफेयर में गरीब परिवारों को राशन सामग्री वितरित की गयी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहित गणमान्य अतिथियों ने जरूरतमंद 29 परिवारों को सूखी राशन सामग्री वितरित की। इस सूखी राशन सामग्री वितरण समारोह में कैथेलिनो ऑय फाउंडेशन के डायरेक्टर माईकल कैथेलिनों, सिस्टर रोसले, सिस्टर मेरी जोस एवं रविसिंह किरार सहित अन्य गणमान्य नागरिक जन उपस्थित थे।

### नव वर्ष के कैलेंण्डर का विमोचनः

परिष्कार पत्रिका जयपुर। कैथलीनो आई फाउंडेशन जयपुर के तत्वावधान में नव वर्ष के अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष माइकल कैथलीनों ने 2023 वर्ष का कलैण्डर का जारी करते हुए सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। इस अवसर फाउंडर अध्यक्ष माइकल कैथलीनों, परिष्कार पत्रिका के सम्पादक रविसिंह किरार सहित गणमान्य अतिथि एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

## मास मीडिया का लोकतंत्र पर प्रभाव विषय पर स्व के सी सौंधी स्मृति व्याख्यान

# निर्भीकता और निष्पक्षता से खामियों को उजागर करना और लोक को जागृत करना जरूरी : डॉ चन्द्रभान

परिष्कार पत्रिका जयपुर। पूर्व मंत्री और बीस सूत्री कार्यक्रम के उपाध्यक्ष डॉ चंद्रभान ने कहा कि लोक को जागृत करना और सरकार की गलत नीतियों और खामियों को सामने लाने का काम पत्रकारों का है। इसमें निर्भीकता और निष्पक्षता की आवश्यकता है, किंतु इसमें कमी आई है। भारत के नागरिक हों, मीडिया, कार्यपालिका, न्यायपालिका हो सभी का दायित्व है कि वे देश को सर्वोपरि मानें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की भी आज महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन इसे जिम्मेदार बनाना होगा। डॉ चंद्रभान प्रोग्रेसिव एनआरआई एसोसिएशन यूके और कानोड़िया महिला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में वरिष्ठ पत्रकार केसी सौंधी की स्मृति में मास मीडिया का लोकतंत्र पर प्रभाव विषयक संगोष्ठी में बोल रहे थे।

डॉ चंद्रभान ने कहा कि आज लोकतंत्र और पत्रकारिता के सामने खतरे हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था दुनिया की बेहतरीन व्यवस्था है। लोकतंत्र खतरे में है यह एक जुमला बन गया है। आज पत्रकारिता को लेकर भी कई प्रकार की चर्चा होती है। सही मायने में कहा जाए तो हमारा लोकतंत्र मजबूत है। सबसे बड़ा खतरा पत्रकारों और पत्रकारिता पर है। स्व सौंधी जैसे पत्रकार विरले होते हैं जो लोकतंत्र की मजबूती को प्रमुख ध्येय मानते थे। आज की पत्रकारिता में काफी बदलाव आ गया है। पत्रकारों की स्वतंत्रता काफी कम हो गई है। समाज कल्याण बोर्ड राजस्थान की अध्यक्ष डॉ अर्चना शर्मा ने कहा कि राजनीति आज देश और दुनिया की धुरी हो गई है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका का वर्चस्व हमेशा रहा है और रहना चाहिए। ऐसे में पत्रकारिता की जिम्मेदारी हो जाती है कि वह समाज को जागरूक करे। लोकतंत्र के सभी स्तंभ स्वतंत्र हैं। ज्यूडिशरी कमजोर हो गई तो देश कहां जाएगा। एक समय पत्रकार अपने विवेक से समाचार तैयार किया करते थे। वह हर मुद्दे पर शोध करते हुए लोगों को न्याय दिलाते थे। आज के परिवेश में हम कार्यपालिका का वर्चस्व चाहते हैं जो खतरनाक है। पत्रकारिता का काफी क्षरण हुआ है। पत्रकारिता की विश्वसनीयता आवश्यक है। एक जमाने में निष्ठावान पत्रकार मुद्दे को समाधान तक ले जाते थे लेकिन संपादक नामक संस्था अब कमजोर हो गई है।

डॉ अर्चना शर्मा ने कहा सोशल नेटवर्क कई मायनों में अर्थवान है लेकिन कई चैनलों में न तो सच्चाई है ना और अच्छाई है। निष्पक्ष पत्रकारिता नहीं रही तो आम आदमी की शक्ति कमजोर हो जाएगी। यह जरूरी है कि आज की पत्रकारिता लोकतंत्र को मजबूती दे। जनसत्ता और दिनमान के संपादक रहे सतीश झा ने कहा कि ऐसा लिखें और छपे जिसका जनता में असर हो। लोकतंत्र में लोक की बात होनी चाहिए। एक समय तक अंग्रेजी पत्रकारिता के मुकाबले हिंदी

पत्रकारिता का कम प्रभाव माना जाता था लेकिन कालान्तर में हिन्दी पत्रकारिता प्रतिष्ठित हुई। आज हिंदी पत्रों के मुकाबले अंग्रेजी अखबारों का प्रसार कम है जो हिंदी पत्रकारिता का सम्मान है। हिंदी समाचार पत्रों ने जन भाषा को भी अपनाया है। इससे जनता से जुड़ने के अवसर बढ़ते हैं। पत्रकारिता की जिम्मेदारी है कि वह जनता की सोच का आइना सामने रखे। झा ने कहा कि आज इन्वेस्टिगेटिंग पत्रकारिता में भी कमी आई है। पत्रकारों का काम सरकार से सवाल पूछना होना चाहिए। हम सवाल करना न छोड़ें।

पूर्व कुलपति प्रो नरेश दाधीच ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की संसदीय परंपरा में जनता के ट्रस्टी की भूमिका होती है। उनका काम राष्ट्रहित में होना चाहिए न कि अपने संसदीय क्षेत्र तक सीमित रहें। कालान्तर में राजनीतिक दल मजबूत होने से जनप्रतिनिधि की भूमिका बदल गई। वे दलगत आधार पर मुद्दों को लेकर अलग-अलग व्याख्या करने लगे। नागरिकों के हित में पारित फैसलों का लाभ भी जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाता ऐसे में पत्रकारिता पर भरोसा बढ़ा क्योंकि वे राजनीतिक दलों की विचारधारा से मुक्त होते हैं। ऐसे में मीडिया का महत्वपूर्ण रोल है। वरिष्ठ मीडियाकर्मी और साहित्यकार कृष्ण कल्पित ने स्वर्गीय केसी सौंधी को याद करते हुए कहा कि आज के मीडिया और जनता के बीच जो गहरे संबंध हुआ करते थे। वैसी स्थितियां आज नहीं है और ऐसा होना लोकतंत्र के हित में नहीं है।

प्रारंभ में प्रोग्रेसिव एनआरआई एसोसिएशन के महासचिव एवं सेंटर फॉर इकोन एंड फाइनेंस यूके के निदेशक प्रो सुरेश दैमन ने व्याख्यान माला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज पत्रकारिता और लोकतंत्र जैसे महत्वपूर्ण स्तंभों पर खुले मन से चर्चा होनी चाहिए। इसी से हमारा लोक मजबूत होगा। कार्यक्रम के पूर्व स्व सौंधी की सुपुत्री डॉ सारिका सौंधी कौल ने अतिथियों का स्वागत किया और अंत में कानोड़िया कालेज की प्राचार्य डॉ सीमा अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया।

# कायस्थ कल्याण बोर्ड बनाने की मांग

परिष्कार पत्रिका जयपुर। एस एफ एस मानसरोवर जयपुर स्थित सामुदायिक भवन में राजस्थान कायस्थ महासभा का 39वां प्रादेशिक अधिवेशन आयोजित हुआ जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये हुये 125 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अरविंद कुमार संभव ने की तथा संचालन महामंत्री अजय माथुर ने किया। मुख्य अतिथि जुगलकिशोर माथुर तथा विशिष्ट अतिथि रामस्वरूप भटनागर तथा जयंती कुमार सक्सेना थे। आयोजन समिति के प्रभारी देवेंद्र स्वरूप माथुर ने बताया कि उक्त सम्मेलन में जो प्रस्ताव पारित किये गये उनमें प्रमुखतः बोर्ड का गठन करे। प्रत्येक जिला मुख्यालय पर कायस्थ छात्र छात्राओं के लिये छात्रावास व अन्य शैक्षणिक सुविधायें बढ़ाने के लिये सरकार समाज को निःशुल्क या सांकेतिक दर पर भूमि का आवंटन करे। हिमालय एवं नदियों के संरक्षण के लिये केंद्र एवं संबंधित राज्य सरकारें मध्य हिमालय क्षेत्र में अंधाधुंध एवं अविवेकी विकास कार्य बंद करे। सम्मेलन में वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि समाज के लोगों को आर्थिक कमज़ोर वर्गों के लिये बनायी गयी विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का पर्याप्त रूप से लाभ उठाना चाहिए। इस हेतु संगठन द्वारा एक जन जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। अधिवेशन के दौरान जिन वक्ताओं ने अपने विचार रखे उनमें रामस्वरूप भटनागर, जुगलकिशोर माथुर, निर्मल माथुर, पंकज मोहन सक्सेनाए अर्चना सक्सेना, दयाशंकर माथुर, विकास सक्सेना, सुनील सक्सेना, नागेंद्र सक्सेना, अनिल भटनागर, ब्रजेश भटनागर, कल्पना भटनागर, दयाल नारायण माथुर आदि प्रमुख थे। अधिवेशन के दौरान जगदीश प्रकाश माथुर, निर्मल माथुर, अनिल भटनागर एवं चित्रगुप्त मंदिर रक्षिणी कायस्थ सभा भरतपुर को विभिन्न श्रेणियों में श्रेष्ठ कार्य करने हेतु ट्राफी भेंट की गयीं। दयालनारायण माथुर ने स्वागत भाषण दिया और जगदीश प्रकाश माथुर ने समापन भाषण दिया।

# सत्य ही पत्रकारिता की आत्मा है : कुमार प्रशांत

परिष्कार पत्रिका जयपुर। आज महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेन्स इन सोशल साइंस में महात्मा गांधी की पत्रकारिता समसामयिक सन्दर्भ पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध गांधी विचारक कुमार प्रशांत रहे। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का प्रारम्भ सुब्बाराव के गीत जय जगत जय जगत से हुआ। इसके उपरांत संस्था के अकादमिक सलाहकार प्रो संजय लोढा ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान का उद्देश्य गांधीवादी मूल्यों एवं आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। संस्थान द्वारा पिछले 15 महीनों अनेकानेक अकादमिक गतिविधियों का आयोजन किया गया है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि कुमार प्रशांत ने अपने जीवंत उद्बोधन में सर्वप्रथम संस्थान को इसकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने गांधी की पत्रकारिता की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सर्वप्रथम गांधी ने इंग्लैंड में पहली बार लिखना शुरू किया। उन्होंने यह भी कहा कि जनसरोकारों को शब्दों में आकार दे, वही पत्रकारिता है। कुमार प्रशांत का कहना था कि हमें एक्शन एवं कमिटमेंट के साथ शब्दों को आकार देना चाहिए। गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में सार्वजनिक जीवन में उतरते हुए नई सोच को जमीन पर उतारने के लिए नए कर्म के आगाज के रूप में इंडियन ओपिनियन नामक पत्र प्रारम्भ किया। भारत में चंपारण सत्याग्रह के उदाहरण के माध्यम से उन्होंने भयमुक्त पत्रकारिता का उल्लेख किया। यंग इंडिया, हरिजन आदि समाचार पत्रों के माध्यम से सामाजिक न्याय और समानता के लिए आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में संयम आवश्यक है एवं सत्य की आवाज को बुलंद किया जाना चाहिए। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर बीएम शर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में गांधी के समक्ष उत्पन्न विषम परिस्थितियों का उल्लेख किया और संदेश दिया कि आज की पत्रकारिता को गांधी का मार्ग दिखाया जाए। गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों की आवाज बनकर इंडियन ओपिनियन नामक समाचार पत्र निकाला। सत्याग्रह के माध्यम से उन्होंने अपनी बात जनता तक पहुंचाई। उन्होंने गांधी शांति प्रतिष्ठान के शोध पत्र गांधी मार्ग की सराहना करते हुए सभी से इसका अध्ययन करने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ ज्योति अरुण ने किया।

## कन्हैयालाल इन्दौरा की पुण्यतिथि पर सत्संग और भंडारा

# कन्हैया फार्म हाउस सामाजिक कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध : प्रिया संजय

परिष्कार पत्रिका जयपुर। कन्हैया फार्म हाउस रॉयल आशियाना सी ब्लॉक कपूरावाला गांव में कन्हैंयालाल इन्दौरा की पुण्यतिथि के अवसर पर सत्संग और भंडारा आयोजित किया गया। कन्हैया लाल इन्दौरा और भूरी देवी इन्दौरा की पुत्री प्रिया उर्फ पूनम इन्दौरा ने अपने माता पिता की याद में कपुरावाला के फार्म हाउस पर पिछले वर्ष उनकी प्रतिमा को स्थापित किया था। प्रिया और उनके पति संजय मोरवाल ने परिष्कार पत्रिका को बताया कि यह स्थान समाज की बैठक और कार्यक्रमों के लिए सदैव उपलब्ध रहेगा। समाजवासी जब भी जरूरत पड़ें वे सम्पर्क कर यह पावन स्थान उपयोग में ले सकते हैं। कन्हैयालाल के भतीजे सुरेश इन्दौरा और सीता देवी ने बताया कि कन्हैयालाल इन्दौरा की पुत्री-दामाद प्रिया इन्दौरा और संजय मोरवाल ने यह उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने अपने माता-पिता के प्रति समर्पण का भाव रखते हुए उनकी प्रतिमा स्थापित कराई जो हमेशा उनको जीवित रखेगी। पुण्यतिथि के अवसर पर सत्संग में संत-महंत, समाज के गणमान्य नागरिक और अतिथियों सहित अनैक महिला-पुरूषों ने भाग लिया। विभिन्न स्थानों से उपस्थित हुए सभी श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी का आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रिया और संजय मोरवाल ने सभी का आभार प्रकट किया








## परमगुरू का 251 वां दो दिवसीय प्रकट महोत्सव गोविन्दपुरा में मनाया

परिष्कार पत्रिका जयपुर। आध सक्रत स्वराज करुणेश कैवल त्वं नमामि ज्ञान संप्रदाय कायम पंथ सत्संग समिति के तत्वावधान में 22 एवं 23 जनवरी को ज्ञान संप्रदाय कायम पंथ के आध स्थापक, कैवलवेता, सकर्ता सर्जनहार के परमविशेष अंश, कुवेर स्वामी दिव्य परमगुरु श्रीमत् करुणासागर भगवान का 251वां दो दिवसीय प्रगट महोत्सव माहबीज बडे धूमधाम से सत कैवल सत्संग आश्रम शिक्षा सागर कॉलोनी, गोविंदपुरा सांगानेर जयपुर में आयोजित किया गया। समिति के अध्यक्ष मुकेश इंदौरा, कोषाध्यक्ष आनंद कुमार ठेकेदार के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूज्य गुरुजी नानकदास महाराज के सानिध्य में किया गया। इस अवसर पर सभी संत-महंत, भक्त जन, गुरुभाई एवं आम समाज बंधु को आमंत्रित किया जाता है। उन्होंने बताया कि ज्ञान संप्रदाय कायम पंथ के सबसे बड़े पावन पर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार के साथ सत्संग व संपूर्ण कार्यक्रम का लाभ लेने पहुचकर भगवान करुणासागर का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दो दिवसीय कार्यक्रम में 22जनवरी को रात्रि में सत्संग व 23जनवरी को प्रातकाल उपासना के साथ परमगुरु के दिव्य जीवन आधारित कथा हुई तथा कैवल धुनों के साथ सारा दिन संगीतमय रहा। उसके बाद 251 दीपों के साथ भव्य महाआरती का आयोजन हुआ जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने भाग लिया। अंत में भोजन प्रसादी के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया। आयोजन समिति ने सभी दानदाताओं और सहयोगकर्ताओं का आभार प्रकट किया।

## 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर होंगे अनैक कार्यक्रम

# समर्पण संस्था करेगी गणतंत्र दिवस समारोह और विचारा गोष्ठी का आयोजन

**कार्यक्रम के पोस्टर का किया विमोचन**

परिष्कार पत्रिका जयपुर। त्याग, सेवा, सहयोग व समानता के सिद्धांतों पर कार्य कर रही समर्पण संस्था द्वारा 74 वें गणतन्त्र दिवस पर गणतंत्र दिवस समारोह व लोकतन्त्र में लोक संवेदना व अभिव्यक्ति विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन 26 जनवरी को संस्था कार्यालय समर्पण पार्क कुम्भा मार्ग प्रताप नगर सांगानेर जयपुर में प्रात 9:30 से दोपहर 1 बजे तक किया जायेगा।

संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ दौलतराम माल्या ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आई आर एस डी एस चोपड़ा होंगे तथा अध्यक्षता राजस्थान हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता व बार कोंसिल आफ इण्डिया के पूर्व चेयरमेन बीरी सिंह सिनसिनवार करेगें। विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता सशस्त्र बल अधिकरण, जयपुर की रजिस्ट्रार डॉ चेतना व राजस्थान जन आधार प्राधिकरण, आयोजना विभाग के संयुक्त निदेशक सीताराम स्वरूप होंगे। विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार जैन, जगदीश नारायण बैरवा, नवलसिंह मीना, श्याम मोहन व्यास, आरबी फन्डा, केके अरोड़ा, डॉ सचिन वर्मा, मयंक बैरवा, श्रीकृष्ण, डॉ नरेन्द्र कुमार बैरवा, रिम्मु खण्डेलवाल, रमेश कुमार बैरवा, स्वाति जैन, श्रीकिशन जोनवाल, महेश सैनी, दिनेश शर्मा होंगे। मंच संचालन नवदीप सिंह करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए संस्था सदस्यों की एक मीटिंग का आयोजन मुख्य सलाहकार व पूर्व ज़िला न्यायाधीश उदय चन्द बारूपाल की अध्यक्षता में किया गया। मीटिंग सक्रीय सदस्यों की सेवायें निर्धारित की गई। संस्था पदाधिकारियों कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। कार्यक्रम में प्रातः 9:30 बजे मुख्य अतिथि द्वारा अन्य अतिथियों, संस्था पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ कार्यालय के सामने ध्वजारोहण होगा। उपरान्त सामने समर्पण पार्क में सांस्कृतिक कार्यक्रम व विचार गोष्ठी होगी।

## विवेकानंद जयंति पर प्रश्नोत्तरी के कार्यक्रम का आयोजन

परिष्कार पत्रिका जयपुर। विवेकानंद सीनियर सैकेंडरी आदर्श विद्या मंदिर गंगापोल जयपुर में विवेकानंद जयंती युवा दिवस के शुभ अवसर पर विवेकानंद के जीवन पर लिखित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाध्यापिका कविता शर्मा एवं वरिष्ठ अध्यापिका रीता नाग द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया। सर्वप्रथम सभी विद्यार्थियों ने जय विवेकानंद गीत का सामूहिक गान किया। तत्पश्चात एक-एक कर सभी विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरितप्रसंग सुनाए जो अत्यंत मार्मिक प्रेरणादायक रहे। कार्यक्रम में नितेश कुमार ने कुशल कर्म के लिए प्रेरित किया।

## मेघवाल समाज छात्रावास का उद्घाटन 29 जनवरी को

परिष्कार पत्रिका निम्बाहेड़ा। मेघवाल समाज विकास संस्था निम्बाहेड़ा में समाज द्वारा आयोजित मेघवाल समाज छात्रावास का उद्घाटन एवं शिलान्यास समारोह का आयोजन 29 जनवरी 2023 को बड़ोली माधोसिंह रोड़ फोरलेन चौराहा निम्बाहेड़ा में किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदयलाल आंजना सहकारिता मंत्री होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुभाषचन्द्र शारदा नगर पालिका अध्यक्ष करेंगे। अध्यक्ष हजारीलाल मेघवाल एवं सचिव शम्भू लाल मेघवाल से सभी समाजबंधुओं से कार्यक्रम में सहयोग करने की अपील की।

## अजमेर में हिन्द सेवा दल ने मनाई 126 वीं सुभाष चन्द्र बोस की जयंति

परिष्कार पत्रिका अजमेर। हिंद सेवा दल और लक्ष्य मानवता सेवा संस्थान के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126 वीं जयंती की पूर्व संध्या पर रविवार को सांय 4:30 बजे सुभाष उद्यान में दल के अध्यक्ष आर के महावर के सानिध्य में दीपदान का आयोजन किया गया।



महावर ने बताया कि दीप दान से पहले मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें वक्ताओं ने अपने विचार रखे। उसके पश्चात दीप दान किया किया गया। प्रवक्ता राजेंद्र गांधी ने बताया कि भारत की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले स्वतत्रंता सेनानी और तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा नारा देकर युवाओं को आजादी के लिए प्रेरित करने वाले नेताजी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई और उन्हें याद किया गया।

## धानका महासभा अजमेर शिव मंदिर में करेगा महिला सम्मान समारोह का आयोजन

परिष्कार पत्रिका जयपुर। धानका महासभा शेखावाटी अजमेर के तत्वावधान में 26 जनवरी 2023 को 74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर शिव मंदिर ईश्वर बस्ती अजमेर प्रांगण में प्रथम महिला प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। महासभा के महामंत्री महेश भाटी ने बताया कि इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा झण्डा रोहण और प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। जिसमें समाज की स्नातक उत्तीर्ण महिला अभ्यर्थियों को महासभा की ओर से प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। अजमेर धानका समाज की जो भी महिलाएं वर्ष 2023 तक स्नातक उत्तीर्ण कर प्रमाण पत्र हासिल कर चुकी हैं। कृपया 24 जनवरी तक महासभा के अध्यक्ष वीर सिंह डाबले अथवा सुगनचंद गहलोत रेलवे को स्नातक उत्तीर्ण अंक तालिका एवं जाति प्रमाण पत्र की प्रति देकर अपनी प्रविष्टि सुनिश्चित करें। दिनांक 24 जनवरी के बाद आने वाली प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जायेगा। कार्यक्रम के लिए सभी को निमंत्रण दिए गए हैं।

## जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने किया शिलान्यास

परिष्कार पत्रिका जयपुर। जयपुर शहर के हरमाड़ा एवं बढारणा क्षेत्र को पर्याप्त दबाव से बीसलपुर का पानी उपलब्ध कराने के लिए शहरी जल संवर्धन योजना का शिलान्यास रविवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी ने हरमाड़ा स्थित मनसा माता मंदिर क्षेत्र में किया। इसके तहत 1500 किलो लीटर एवं 700 किलो लीटर क्षमता के दो उच्च जलाशय एवं 1800 किलो लीटर व 1400 किलोलीटर क्षमता के दो स्वच्छ जलाशयों के निर्माण के साथ ही 143 किलोमीटर लम्बी पाइप लाइन डाली जाएगी। जलदाय मंत्री ने इसके बाद हवामहल विधानसभा क्षेत्र की भट्टा बस्ती में पर्याप्त दबाव से पेयजल आपूर्ति के लिए बन रहे 2 हजार किलो लीटर क्षमता के उच्च जलाशय एवं 10.6 किलोमीटर डीआई पाइप लाइन बिछाने के कार्यों का भी शिलान्यास किया। इन कार्यों की लागत 8 करोड़ 17 लाख रूपए है। उल्लेखनीय है कि हरमाड़ा-बढारणा को बीसलपुर से पेयजल उपलब्ध कराने के लिए शहरी जल संवर्धन योजना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा में शामिल है। इसी के तहत जलदाय मंत्री ने रविवार को विभिन्न कार्यों का शिलान्यास किया। इनमें रोड नम्बर 13 पर रीको परिसर में 1500 किलो लीटर एवं बढारणा स्थित मोक्षधाम में 700 किलो लीटर क्षमता के उच्च जलाशय बनाए जाएंगे।

शुभकामनाएं
हमारे प्रिय
शैलेन्द्र सोलंकी
के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभैच्छु :
निशा सौलंकी-दौलत सिंह सौलंकी (माता-पिता), महेन्द्र सोलंकी, (भाई), हिया सोलंकी (भतिजी) एवं सौलंकी परिवार मो. 7877426883
शैलेन्द्र सौलंकी
जन्म दिवस: 27 जनवरी
384/99, विजय नगर, लंकापुरी, शास्त्री नगर जयपुर

MAHENDRA CAR HELPLINE
Hot Line Call Service (24*7)
(Prop. : Doulat Singh Solanki)
7877426883
मैकेनिकल, डेंटिंग-पेंटिंग, वायरिंग, एसी, ड्राइक्लीन, वाशिंग आदि सभी प्रकार के कार्य
Mahendra Solanki (Pintu)
Help Line No.: 9314966713
Address : 306 Kishan Bagh, Naya Kheda, Ambabari, Jaipur

रजि नं. 259/2001 राजस्थान सरकार से स्थाई मान्यता प्राप्त
जय मां सरस्वती विद्यापीठ सी.सै. स्कूल
संकाय- कला एवं वाणिज्य [कक्षा नर्सरी से 12वीं तक [हिन्दी माध्यम]]
JMS VIDHYAPEETH SR. SEC. SCHOOL
(An English Medium) Nur. to XII(Arts & Com.)
प्रवेश प्रारंभ 44, दुर्गा विस्तार कॉलोनी, रावल जी का बंधा, एनबीसी स्टाफ क्वार्टस के पीछे, खातीपुरा रोड़, जयपुर -6
Ph. 0141-2225200, Mob. No. 9251467543, 9251467545
विशेषताएं : श्रेष्ठ माहौल, प्रशिक्षित अध्यापक-अध्यापिकाओं द्वारा अध्यापन, साप्ताहिक टेस्ट, कमजोर छात्र-छात्राओं हेतु विशेष कक्षाएं।

रजि. न. 403 ।।जय श्री लक्ष्मीनारायण जी महाराज।। स्थापित - 1996-1997
पाराशर चिल्ड्रन पैराडाइज पब्लिक सैकण्डरी स्कूल
प्रवेश प्रारम्भ
विशेषताएं : श्रेष्ठ माहौल, प्रशिक्षित अध्यापक-अध्यापिकाओं द्वारा अध्यापन, साप्ताहिक टेस्ट, कमजोर छात्र-छात्राओं हेतु विशेष कक्षाएं, उचित वाहन सुविधा एवं खेल-कूद, साप्ताहिक बाल सभा, कम्प्यूटर शिक्षा प्राथमिक कक्षाओं से, समय समय पर अध्यापक-अभिभावक संगोष्ठी।
नर्सरी से V तक अंग्रेजी माध्यम Nursery to 10th हिन्दी माध्यम
17, पार्क व्यू कॉलोनी, एनबीसी स्टाफ क्वार्टस के पीछे, खातीपुरा रोड़, जयपुर -6 राजस्थान
Mob. No. 9351451481, 7726857268
रामलाल पाराशर, निदेशक

परिष्कार पत्रिका समाचार पत्र
में प्रकाशन के लिए
अपने क्षेत्र की खबर, संदेश, श्रद्धांजली, व्यक्तिगत परिचय, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
परिष्कार पत्रिका
पंजीकृत कार्यालय : 89, संतोष नगर, अजमेर रोड़, जयपुर
शाखा कार्यालय : शॉप नं. 2, प्लाट नं.36, भैरव नगर, हटवाड़ा रोड़, जयपुर [राजस्थान] फोन नं. 0141-2450128
मो. नं. 9314407796, 9351311820

नव वर्ष 2023 एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएं
हार्दिक शुभकामनाएं
घनश्याम जण्डेल
बैंक प्रबंधक, एसबीआई
31, सत्येन्द्र कॉलोनी, हटवाड़ा रोड़, जयपुर
मो. 7073569777
हार्दिक शुभकामनाएं
नोयल डिसल्वा
निदेशक
सैंट माईकल सी सै स्कूल सुभाष चौक, आमेर रोड़, जयपुर
हार्दिक शुभकामनाएं
लक्ष्मीकांत गहलोत
महासचिव धानका महासभा जोधपुर, सक्रीय सदस्य, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी
हार्दिक शुभकामनाएं
हरीशंकर लुगरिया
1/263, न्यू विद्याधर नगर, खण्डेलवाल टावर के पीछे, अम्बाबाड़ी, जयपुर-39
मो. 935264881
हार्दिक शुभकामनाएं
पी. के. वर्मा
असिस्टेंट डायरेक्टर
साफ्टवेयर, इन्द्रागांधी ओपन यूनिवर्सिटी, मानसरोवर जयपुर
इन्द्र सिंह खनगवाल
पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष
शेखावाटी पंचायत संस्था
45, रोड़ नं 3, अशोकपुरा सोड़ाला मो. 7891964219
श्रीमती एवं श्री बाबूलाल गहलोत
सेवा निवृत रेलवे डाक सेवा ए-4, टाटा नगर, शास्त्री नगर, जयपुर 16 मो 9785234428
राजू देवी एवं कालूराम गहलोत
फोरमैन रिटायर्ड, पीएचईडी, 5, हरीनगर, घाटगेट, जयपुर
भंवर लाल देराण
समाज सेवी
मदरापुरा, गीतांजली टॉवर के पीछे अजमेर रोड़, जयपुर-06
मो. 9928956833
निर्मला खनगवाल एवं गुरूप्रसाद खनगवाल
(जी एन टेलर्स)
127, ए धानका बस्ती, खेतड़ी हाउस के पीछे, नाहरी का नाका, जयपुर 302016
मो. 9950702058
अमर सिंह निर्वाण
रिटायर्ड, रेलवे विभाग,
63/34 पाल बीछला, दयाल बीड़ी के पीछे, अजमेर
मो. 9898211507
प्यारे लाल फरण्ड
अध्यक्ष, धानका समाज सभा भवन समिति
127, विवेक विहार, न्यू सांगानेर रोड़ जयपुर
मो. 9950750063
तापोश बर्मन
151, हरिओम नगर, गली नं. 1, शर्मा पब्लिक स्कूल के सामने, सुशीलपुरा जयपुर-06
मो. 9610152500
मांगीलाल खर्रा
समाज सेवी
आई-9 ए, मजदूर नगर, अजमेर रोड़, जयपुर
मो. 9413336139

परिष्कार पत्रिका परिवार के सभी पाठकों को सहयोग के लिए हार्दिक शुभकामनाएं
आप सभी के परिवार में हर्षोल्लास और आनंद रहे ऐसी शुभ और मंगल कामनाओं के साथ।
सम्मानीय सदस्य रामप्रकाश पचेरवाल-अशोकपुरा सोड़ाला जयपुर, किशनलाल पचेरवाल-देवीनगर, दीपचंद फरण्ड-देवीनगर जयपुर, राधा देवी पत्नी स्व. रमेश चंद डाबी-जनता नगर राकड़ी जयपुर, तेजप्रकाश धानका-राणा कॉलोनी नाहरी का नाका, सीताराम वर्मा-मदरापुरा हरिमार्ग सिविल लाईन, इन्द्र सिंह खनगवाल-पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष-सोड़ाला, बाबूलाल डाबी-महामंत्री राजस्थान धानका समाज-विवेक विहार जयपुर, नानकराम कायथ-शिव कॉलोनी हटवाड़ा रोड़, चिरंजीलाल निर्वाण-मेजर शैतान सिंह कॉलोनी शास्त्री नगर, बाबूलाल गहलोत-टाटा नगर शास्त्री नगर जयपुर, दुर्गेश मावर लेब टेक्निशियन-शांति कॉलोनी सांगानेर, तापोश बर्मन-हरीओम नगर सुशीलपुरा, लक्ष्मीकांत गहलोत महामंत्री धानका महासभा-अशोक विहार जोधपुर, प्रिया उर्फ पूनम इन्दौरा पत्नी संजय मोरवाल-मदरामपुरा सांगानेर जयपुर, सीएल वर्मा-कमला नेहरू नगर हसनपुरा जयपुर एवं
परिष्कार पत्रिका परिवार

प्रथम पुण्य स्मरण
श्रद्धा सुमन
:: स्व. श्री सम्पत लाल धानका ::
स्वर्गवास : 4 फरवरी 2022
(सेवानिवृत्त मुख्यअभियंता, एवीवीएनएल)
(अध्यक्ष, धानका महासभा)
: श्रद्धानवत :
कमला देवी (पत्नी), डॉ अपसरा (पुत्री), एडवोकेट अभिषेक, डॉ अखिलेश, अभिनव सीए, सागर (पुत्र) एवं समस्त खनगवाल परिवार एवं
परिष्कार पत्रिका परिवार
71/77, केन्द्रीय विद्यालय नं. 5 के सामने मानसरोवर, जयपुर मो. 8000913934

Reg. No. : 248/81
Imran Ali (Administrator) 8852009000, 9351780937
Sanjay Memorial Sr. Sec. School
17, Janta Nagar, Sodala, Jaipur-302006
Play Group to XIIth [Hindi/ English Medium]
Admission Open
विशेषताएं : विज्ञान, वाणिज्य एवं कला में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम में प्रवेश, विज्ञान कम्प्यूटर एवं गृह विज्ञान की विशेष प्रयोगशाला, बोर्ड कक्षाओं में अनुभवी शिक्षकों द्वारा विशेष तैयारी, कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष तैयारी, सभी नए प्रवेश लेने वाली विद्यार्थियों के लिए फ्री यूनीफॉर्म, स्पोर्टस विद्यार्थियों एवं दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए फीस में विशेष छूट, पिछले 40 वर्षों से सभी बोर्ड कक्षाओं का 100 प्रतिशत परिणाम

A.S. MEMORIAL Sec. School
58, Shanti Nagar, N.B.C. Road Jaipur 6
Mob. 9549036888
Day Boarding
English Medium
Ankit Singh Director
Your Childs Journey to a Great Future begins here :
Experience Teaching Staff, Spoken English Classes, Personality Development, Memory Tips, Study By Porjectors, Sparate Furniture for every Student, On every Saturday there are Activities, Classes of Yoga, Games of Spelling, Meaning and Interaction with all the Student in English Language, Hygienic and Friendly Environment for Students and Personal Attention is given, Big and Airy Classrooms, Conveyance Facility for every Area.

PRIME TRACK
TRACKON EXPRESS PRODUCT
Trackon Couriers Pvt. Limited
अपने प्रियजनों को भेंजे संदेश या उपहार, घर बैठे कोरियर पिकअप और डिलीवर के लिए हमसे सम्पर्क करें -
शायर सिंह किरार
ट्रैकोन कोरियर प्रा. लि.
शॉप नं. 2, प्लाट नं.36, भैरव नगर, हटवाड़ा रोड़, जयपुर [राजस्थान]
मो. नं. 8561888504, 6350176413, 9314407796

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक और संपादक रवि सिंह किरार द्वारा एम बी प्रिन्टर्स डिग्गी हाऊस, एफ 76 करतापुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा 89, संतोष नगर, अजमेर रोड़, जयपुर से प्रकाशित। फोन नं. 141-2450128/ 9314407796 parishkarpatrika@gmail.com
www.parishkarpatrika.page प्रधान संपादक हेमलता किरार तथा सलाहकार श्रवण सिंह किरार, विजय सिंह किरार, प्रचार एवं प्रसार प्रबंधक डी कुमार चित्र, शायर सिंह किरार